सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

डल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले शीर्ष पांच भारतीय खिलाड़ियों -पेज: 7

सैयारा के बाद अहान पांडे के हाथ लगी यशराज की फिल्म! -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 179 | सोमवार 06 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

यूपी में अलग-अलग घटना में बारिश और बिजली गिरने से दो की मौत, तीन बच्चे बुरी तरह झुलसे

लखनऊ (एजेंसी)। बलिया जिले में तेज बारिश के कारण पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं देवरिया में भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन बच्चे झुलस गए। कुशीनगर जिले में आंधी-बारिश में पेड़ गिरने से दबकर नौवीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बातया गया है बलिया जिले के बांसडीह थाना क्षेत्र के आकोली गांव में शनिवार को तेज बारिश के कारण पेड़ गिरने से दबकर फूल कुमारी (50) की मौत हो गई। पेड़ महिला के घर के पास लगा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक देवरिया जिले के भाटपाररानी थाना क्षेत्र के खरहरी गांव में शनिवार सुबह करीब 10 बजे आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन बच्चे बुरी तरह झुलस गए। प्रशासन के मुताबिक शनिवार सुबह गरज के साथ हो रही बारिश में आकाशीय बिजली गिर गई और बच्चे उसकी चपेट में आकर घायल हो गए। घायल बच्चों की पहचान नेहा (13), स्नेहा (10) व शुभम (9) के रूप में हुई। स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक कुशीनगर जिले के तमकुही राज थाना क्षेत्र में तेज आंधी और बारिश के कारण पेड़ गिरने से नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक किशोर की मौत हो गई। तमकुही राज के थाना प्रभारी ने बताया कि टोला मटिया में राजेश यादव अपने पुत्र आयुष (15) के साथ दोपहर अपने खेत में गिरे एक पेड़ को काट रहे थे। तभी पास में खड़ा एक और पेड़ आयुष के ऊपर गिर गया, जिससे आयुष की उसके नीचे दबकर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में मनु यादव, पुष्पा देवी और निशा भी घायल हुई हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस और देवी-देवताओं के लिए अपशब्द कहने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में एक व्यक्ति को सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं और पुलिसकर्मियों के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वसंत कुंज (दक्षिण) थाने में व्यक्ति के बारे में पीसीआर को फोन आया और बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) ने कहा कि पुलिस टीम तुरंत छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास रूबी नर्सरी के पास पहुंची। इलाके में शिकायतकर्ता विहिप के कई सदस्य मौजूद थे। उन्होंने पुलिस को सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो दिखाया जिसमें आलम को हिंदू देवी-देवताओं और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए दिखा गया। पुलिस ने बताया कि शिकायत के बाद वसंत कुंज (दक्षिण) थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामला दर्ज किए जाने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उत्तराखंड में पेपर लीक कांड के बाद अब टोकन मनी की अफवाह

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पेपर लीक कांड के बाद अब प्रदेश में टोकन मनी की अफवाह है। शिक्षा विभाग ने सोशल मीडिया में इस तरह की अफवाह फैलाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा कर विभाग की छवि को धूमिल किया जा रहा है। मामला प्रधानाचार्य भर्ती और शिक्षक तबादलों में 'टोकन मनी' की अफवाह से जुड़ा है। विभाग ने प्रधानाचार्य सीधी भर्ती, शिक्षक भर्ती और स्थानांतरण को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने सोशल मीडिया पर वायरल टोकन मनी की खबरों को दुष्प्रचार बताया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि कुछ असामाजिक तत्व केवल विभाग की छवि धूमिल करने के लिए ऐसी भ्रामक सूचनाएं फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से प्रधानाचार्य भर्ती में टोकन मनी या पैसे के लेन-देन को लेकर लगातार पोस्टें की जा रही हैं। डॉ. सती ने कहा कि प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के तहत 692 पद उत्तराखंड लोक सेवा आयोग से भरे जाने हैं। आयोग ने अभी सिर्फ परीक्षा की तिथि तय की है। आयोग पारदर्शी, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण तरीके विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली के लिए जाना जाता है। परीक्षा आयोजित होने से पहले ही लेन-देन की अफवाहें फैला कर प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का स्थानांतरण को लेकर हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि मौजूदा सत्र में कोई स्थानांतरण आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

कफ सिरप मामला : देश के कई राज्यों में ताबड़तोड़ छापे, पांच यूनिट्स पर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कफ सिरप से हुई बच्चों की मौत के मामले में जांच हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चल रही हैं, जहां से कुल 19 दवाओं (जिनमें खांसी की दवाएं, एंटीबायोटिक्स और बुखार की दवाएं शामिल हैं) के सैंपल लिए गए। शुक्रवार से शुरू हुई इस जांच का उद्देश्य दवा निर्माण प्रक्रिया में संभावित खामियों की पहचान करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाना है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ ने छह राज्यों में दवा निर्माण इकाइयों की रिस्क-बेस्ड (जोखिम-आधारित) जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि आईसीएमआर, नीरी, एम्स नागपुर और सीडीएससीओ के विशेषज्ञों की एक टीम बच्चों की मौत के कारणों की वैज्ञानिक जांच कर रही है। मंत्रालय ने बताया कि सीडीएससीओ द्वारा जांचे गए छह नमूने और मध्य प्रदेश फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा जांचे गए तीन नमूनों में डायइथिलीन ग्लाइकॉल और इथिलीन ग्लाइकॉल जैसे घातक रासायनिक तत्व नहीं पाए गए।तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित निर्माण इकाई से लिए गए कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सैंपलों की जांच में डीईजी की मात्रा अनुमेय सीमा से अधिक पाई गई।

पहलगाम हमले में चीन ने की पाक की मदद, सैटेलाइट इमेज कराई उपलब्ध

-चीनी मामलों के जानकार प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भी आतंकियों की चीन ने मदद की थी। चीन मामलों के जानकार प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने आरोप लगाया है कि पहलगाम आतंकी हमले में एक आतंकी के पास हुआवे का फोन था, जिसमें चीनी सैटेलाइट कनेक्शन मौजूद था। हमले के बाद उसी फोन से पाकिस्तान को संदेश भेजा गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर कोंडापल्ली ने कहा कि पहलगाम में जब हमला हुआ, तब एक आतंकी के पास हुवावे का फोन मिला, जिसमें चीनी सैटेलाइट कनेक्शन था। उसने हमले के बाद पाकिस्तान को मैसेज भेजा था। यह साफ तौर पर चीन की भूमिका दिखाता है। हमले से पहले चीन ने पाकिस्तान को पहलगाम की 120-129 स्लाइड्स वाली सैटेलाइट इमेज भी उपलब्ध कराई थीं।

आतंकवाद के खिलाफ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ प्रतिबद्धता जताने के बावजूद चीन पाकिस्तान की मदद कर रहा था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की चर्चाओं से द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम हटवाने की कोशिश की, जिसने शुरू में हमले की जिम्मेदारी ली थी। कोंडापल्ली ने कहा कि चीनी राजदूत और पाकिस्तानी राजदूत ने यूएनएससी चर्चाओं में टीआरएफ का नाम हटवा दिया। पहले दो बार की जिम्मेदारी टीआरएफ के रोल को साबित करती है। तियानजिन एससीओ घोषणा पत्र में पहलगाम का जिक्र था, लेकिन इसे पाकिस्तानी दबाव में कमजोर कर दिया गया। इससे साफ होता है कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत अपने पड़ोसी देश चीन पर भरोसा नहीं कर सकता।

कोंडापल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन पर पाकिस्तान का समर्थन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान वायुसेना को सूचनाएं दीं। उन्हें जेएफ-17, जे-10 लड़ाकू विमान, एचक्यू-9 सरफेस-टू-एयर मिसाइल बैटरियां जैसे हथियार मुहैया कराए। यह बेहद आक्रामक रुख है। पहलगाम हमले के बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने निष्पक्ष जांच की बात कही, जबकि चीन खुद कभी भी शिनजियांग के उइगर विद्रोह या कोविड-19 महामारी के समय डब्ल्यूएचओ टीम को जांच की अनुमति नहीं देता।

कोंडापल्ली ने कहा कि भारत को अब कार्रवाई करनी होगी, जांच नहीं, क्योंकि कई आतंकी घटनाओं का सुराग पाकिस्तान के क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद से जुड़ता रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान का साथ दिया। एक पाकिस्तानी ब्रिगेडियर ने चीन के वेस्टर्न थिएटर कमांड से रावलपिंडी के लिए समन्वय किया। इसलिए भारत को चीन पर भरोसा करने से पहले ठोस सबूतों की जरूरत है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साईं समाधि के दर्शन किए

शिरडी (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिरडी में साईं बाबा समाधि मंदिर जाकर साईं बाबा के दर्शन किए। इसके बाद, उन्होंने गुरुस्थान के दर्शन किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी साईं बाबा समाधि के दर्शन किए। उनके साथ जल संसाधन मंत्री (गोदावरी एवं कृष्णा बेसिन विकास निगम) एवं पालक मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन मंत्री (विदर्भ, तापी एवं कोंकण सिंचाई विकास निगम) गिरीश महाजन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे भी उपस्थित थे। साईं बाबा संस्थान की ओर से केंद्रीय मंत्री शाह का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. पंकज आसिया, जिला पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घार्गे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद भंडारी और साईंबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर उपस्थित थे।

मोहन भागवत ने पीओके को 'भारत के घर का कमरा' बताया, बोले- इसे वापस लेना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने पीओके को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए इसे 'भारत नाम के एक घर का एक कमरा' कहा, जिसमें 'अजनबी लोग घुस आए हैं।' समाचार एजेंसी के अनुसार, मध्य प्रदेश के सतना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि इस 'कमरे को वापस लेना होगा।'

आरएसएस प्रमुख ने अपनी बात को एक दृष्टांत से समझाया। उन्होंने कहा, 'पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहां मेरी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्जा कर लिया है। कल, मुझे उसे वापस लेना होगा।' इस बयान पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं। भागवत ने अविभाजित भारत के विचार पर भी बल दिया। उन्होंने सभा में मौजूद सिंधी समुदाय के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, 'कई सिंधी भाई यहां बैठे हैं। मैं बहुत खुश हूं। वे पाकिस्तान नहीं गए; वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहां भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं।'

पीओके में पाकिस्तानी शासन के खिलाफ उग्र विरोध, 10 की मौत

आरएसएस प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पीओके में स्थानीय लोग पाकिस्तानी शासन के खिलाफ व्यापक विद्रोह कर रहे हैं। आर्थिक राहत और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर हजारों निवासी अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के बैनर तले विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्वामी चैतन्यानंद लड़कियों की प्रोफाइल खोजकर करता था कमेंट्स

-चैट में दुबई के शख्स को लड़की की व्यवस्था करने की भी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। स्वामी चैतन्यानंद मामले में रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं अब जानकारी मिली है कि बाबा अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लड़कियों के फोटो पर कमेंट करता था। पुलिस को उनके डिजिटल उपकरणों से ऐसे चैट मिले हैं जिनमें छात्राओं से अश्लील बातचीत, निजी तस्वीरें मांगना और आपत्तिजनक संदेश शामिल हैं। एक चैट में तो दुबई के एक शख्स के लिए लड़की की व्यवस्था करने की चर्चा तक दर्ज मिली है।

स्वामी लड़कियों के प्रोफाइल को खोज-खोजकर स्क्रॉल करता था। भगवा वस्त्र धारणकर और आस्था का चोला ओढ़े इस स्वामी चैतन्यानंद का असली चेहरा अब सामने आ चुका है। कैमरे, ब्लैकमेलिंग और छात्राओं के यौन शोषण में उसकी गहरी संलिप्तता पुलिस की जांच में उजागर हुई है। धीरे-धीरे स्वामी की पोल खुल रही है।

पुलिस की जांच में स्वामी चैतन्यानंद के मोबाइल से मिले चैट्स सबसे बड़ा सबूत हैं। वह छात्राओं से लगातार मैसेज कर उनसे नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश करता था। सभी चैट्स अब पुलिस के पास ठोस सबूत के तौर पर मौजूद हैं। दिल्ली की कोर्ट में हुई सुनवाई में स्वामी चैतन्यानंद को 17 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सुनवाई के दौरान स्वामी चैतन्यानंद के वकील ने सवाल उठाया था कि आखिर किन धाराओं के तहत न्यायिक हिरासत की मांग की जा रही है। इस पर कोर्ट ने जांच अधिकारी से साफ कहा कि क्या धारा 232 जोड़ी गई है। जांच अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता की दूसरी एफआईआर के बाद यह धारा केस में जोड़ी गई।

चैतन्यानंद के वकील ने कोर्ट से आग्रह किया कि उन्हें नियमित दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि चैतन्यानंद सनातनी सन्यासी जीवन जीते हैं, इसलिए उन्हें सात्विक भोजन मिले जिसमें लहसुन और प्याज न हो। इसके अलावा, सनातनी धार्मिक वस्त्र पहनने और अपने साथ आध्यात्मिक सामान रखने की अनुमति भी मांगी गई है। केस डायरी पर हस्ताक्षर करवाने की भी मांग की गई, यह कहते हुए कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। कोर्ट ने इस पर कहा कि यह प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है और इसमें अलग आदेश की जरुरत नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच में सामने आया है कि संस्था से जुड़े कई छात्रों ने आरोप लगाया कि उनसे जबरन मोबाइल फोन और शैक्षणिक दस्तावेज लिए गए और विरोध करने पर निष्कासन की धमकी दी गई। पुलिस का कहना है कि स्वामी चैतन्यानंद ने

पूछताछ के दौरान न तो किसी तरह का पछतावा जताया और न ही सहयोगी रवैया अपनाया। इसके साथ ही संस्था की तीन महिला कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिन पर छात्रों पर दबाव बनाने और स्वामी चैतन्यानंद की मदद करने का आरोप है। जांच में यह भी सामने आया है कि स्वामी चैतन्यानंद ने आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को नौकरी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाने की कोशिश की। उन पर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालने के गंभीर आरोप हैं।

8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री करेंगे नवी मुंबई हवाई अड्डे का उद्घाटन

नवी मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अक्टूबर को नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। यह मुंबई महानगरीय क्षेत्र का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जिससे मुंबई के बढ़ते हवाई यातायात पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अडानी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है और महाराष्ट्र सरकार के सिडको की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हवाई अड्डे के पहले चरण की लागत लगभग 19,647 करोड़ रुपये है, जबकि पूरी परियोजना का बजट लगभग 1 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नए हवाई अड्डे को 30 सितंबर को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान लाइसेंस प्राप्त हुआ और दिसंबर 2025 से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होंगी। घरेलू एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और अकासा एयर ने घोषणा की है कि वे अपनी कुछ सेवाएँ नए हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करेंगी। एनएमआई कोड और विश्व स्तरीय सुविधा

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) ने हवाई अड्डे को एनएमआई कोड दिया है। 1160 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस हवाई अड्डे का निर्माण 4 टर्मिनलों के साथ चरणों में किया जा रहा है। पूरी तरह से चालू होने के बाद, यह हब सालाना 9 करोड़ यात्रियों और 32.5 लाख टन कार्गो को संभालने में सक्षम होगा, जिससे यह एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक बन जाएगा। वर्तमान में, पहला टर्मिनल पूरा हो चुका है और इसकी क्षमता 2 करोड़ यात्रियों और 8 लाख टन कार्गो की है। इसके लिए एक अलग रनवे भी बनाया गया है। पूर्ण मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के साथ, यह भारत का पहला हवाई अड्डा होगा जो एक्सप्रेसवे, राजमार्ग, मेट्रो, उपनगरीय रेलवे और जल टैक्सियों जैसी परिवहन प्रणालियों से जुड़ा होगा। स्वचालित यात्री आवाजाही प्रणाली यात्रियों को सभी टर्मिनलों के बीच आसानी से आने-जाने की अनुमति देगी। यह एक ग्रीन हवाई अड्डा भी होगा, क्योंकि इसमें स्थायी विमानन ईंधन भंडारण सुविधाएं भी होंगी।

मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ों में होगी बर्फबारी, वैष्णो देवी और मचैल यात्रा स्थगित

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के मौसम को देखते हुए प्रशासन ने कई तरह के फैसले लिए है। सबसे पहले आज से 7 अक्टूबर तक माता वैष्णों देवी और मचैल की यात्रा रोक पर लगा दी है। वहीं किसानों और ग्रामीणों के लिए भी एडवाइजरी जारी की गई। इसकी वजह ये है कि राज्य के मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी की संभावना है। भूस्खलन और चट्टानों के धसकने की आशंका को लेकर जरुरी कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी तरह के नुकसान से बचाया जा सके।

मौसम विभाग ने किसानों को सात अक्तूबर तक सभी कृषि कार्य स्थगित करने की सलाह दी है। मौसम का यह असर सात अक्तूबर तक रहेगा। इस दौरान छह अक्तूबर को सबसे ज्यादा बारिश होगी। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद जिलास्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने विभागों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एहतियात के तौर पर माता वैष्णो देवी यात्रा को रोका गया है। मचैल यात्रा भी स्थगित की गई है। मौसम विभाग ने संवेदनशील इलाकों में पहाड़ी से पत्थर गिरने या

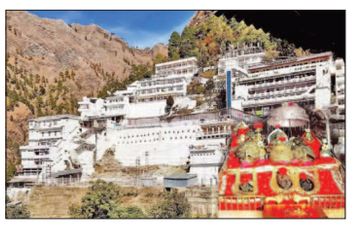

भूस्खलन होने की आशंका जताई है। इसके अलावा कश्मीर डिवीजन, चिनाब घाटी और पीरपंजाल में बर्फबारी होने की संभावना बनी हुई है। मैदानी इलाकों में गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना रहेगी। मौसम में बदलाव का असर प्रदेश में तापमान पर पड़ा है। न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक का अंतर आया है। प्रदेश में गुलमर्ग में सबसे कम 14.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने इन इलाकों में आगामी दिनों में बर्फबारी की संभावना बनी हुई है।

वैष्णो देवी यात्रा आज से 7 अक्तूबर तक अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। श्राइन बोर्ड के सीईओ सचिन कुमार वैश्य ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के माध्यम से इस बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग की ओर से भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका जताई गई है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

हाल के दिनों में कटड़ा से भवन तक जाने वाले रास्तों पर कई जगह चट्टानें खिसकने और पानी भरने जैसी घटनाएं सामने आई थीं, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी को ध्यान में रखते हुए यात्रा रोकने का फैसला लिया गया है। श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस अवधि में यात्रा की योजना न बनाएं और मौसम सामान्य होने के बाद ही दर्शन के लिए आएं। मौसम की बेरुखी को देखते हुए प्रशासन ने किश्तवाड़ जिले में मचैल माता की तीर्थयात्रा पांच अक्तूबर से तीन के लिए स्थगित कर दी है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) जम्मू-कश्मीर, खासकर जम्मू संभाग में भारी बारिश और भूस्खलन का की संभावना है।

दार्जिलिंग में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन पर सीएम ममता ने जताई चिंता

पर्यटक चिंता न करें जहां हैं वहीं रहें, हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित निकाल लाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को दार्जिलिंग में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन पर चिंता जताई है। इस हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं इस बात से बेहद चिंतित हूं कि कुछ ही घंटों में अचानक हुई भारी बारिश और बाहर से हमारे राज्य में नदी के पानी के अत्यधिक प्रवाह से उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए। उन्होंने पर्यटकों को सलाह दी कि जब तक उन्हें सुरक्षित निकाल नहीं लिया जाता है, तब तक वे जहां पर हैं, वहीं रहें।

सीएम ने कहा कि रात उत्तर बंगाल में 12 घंटों में अचानक 300 मिमी से ज्यादा बारिश हुई और साथ ही संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और साथ ही भूटान और सिक्किम से नदी

का पानी भी बह गया। इससे आपदाएं हुईं। उन्होंने कहा कि हमें यह जानकर सदमा और दुःख हुआ कि भारी बारिश और नदियों में आई बाढ़ के कारण हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। वहीं दो लोहे के पुल ढह गए हैं, कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि मैं स्थिति पर नजर रख रही हूं। सीएम ने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, उत्तर बंगाल के जिलों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस बीच हम उत्तर बंगाल में पर्यटकों को सलाह दे रहे हैं कि जब तक हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित बाहर नहीं निकाल लेती, तब तक वे जहां हैं, वहीं रुकें। बचाव का खर्च हमारा है और पर्यटकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप न दें, आखिर केंद्र सरकार को क्यों जारी करनी पड़ी यह एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्सर ऐसा होता कि बच्चे हों या बड़े खांसी चलने या गले में खराश की शिकायत पर कफ सिरप दे दिया जाता है, लेकिन केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी करते हुए दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं देने को कहा है। वैसे तो यह परामर्श स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा जारी किया गया है, लेकिन इसके पीछे का कारण अहम है, जिसने ऐसा करने के लिए सरकार को मजबूर कर दिया।

दरअसल केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक अहम एडवाइजरी जारी करते हुए दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं, विशेष रूप से कफ सिरप नहीं देने की सलाह दी है। सरकार ने यह कदम मध्यप्रदेश में कथित रूप से दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौतों की खबरों के बाद उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हालांकि स्पष्ट किया है कि मध्य प्रदेश में लिए गए सभी सिरप के नमूनों की जांच में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) जैसे हानिकारक रसायन नहीं पाए गए। ये दोनों रसायन बच्चों की किडनी को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मामलों में बच्चों की मौत का कारण बन चुके हैं।

डीजीएचएस की ओर से डॉ. सुनीता शर्मा के हस्ताक्षर से जारी परामर्श में कहा गया है कि सामान्य रूप से पाँच साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप देने की सिफारिश नहीं की जाती। छोटे बच्चों में खांसी और जुकाम के अधिकतर मामले स्वतः ही ठीक हो जाते हैं, जिनके लिए दवाइयों की जरूरत नहीं होती।

चिकित्सकों के लिए भी परामर्श

केंद्र की सलाह में यह भी कहा गया है कि डॉक्टरों को बच्चों के लिए खांसी की दवाएं बहुत सोच-समझकर और जरूरत पड़ने पर ही लिखनी चाहिए। वृद्ध लोगों में भी इन दवाओं का उपयोग चिकित्सकीय मूल्यांकन और निगरानी के बाद ही किया जाए। डीजीएचएस ने सभी राज्य स्वास्थ्य विभागों, जिला स्वास्थ्य प्राधिकरणों, सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देश दिया है कि इस एडवाइजरी को तुरंत लागू किया जाए और आम जनता को इसके प्रति जागरूक किया जाए।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की संयुक्त टीम ने मध्यप्रदेश का दौरा किया और कफ सिरप के

नमूने जांचे। सभी नमूनों में कोई हानिकारक तत्व नहीं मिला। वहीं, राजस्थान में भी जांच के बाद यह पाया गया कि जिस सिरप से दो बच्चों की मौत की आशंका जताई गई थी, उसमें प्रोपिलीन ग्लाइकॉल जैसे रसायन नहीं थे जो आम तौर पर दूषण का स्रोत बनते हैं। केंद्र सरकार का यह कदम बच्चों की दवा सुरक्षा सुनिश्चित करने और डॉक्टरों व अभिभावकों को जिम्मेदारीपूर्वक दवा उपयोग के लिए जागरूक करने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।

संपादकीय

मेहनत की कमाई में सेंध

कैसी विडंबना है कि भोले-भाले लोगों से छल करके खून-पसीने से हासिल जीवनभर की पूंजी ऑनलाइन डकैती में लूट ली जाती है। जिसकी वापसी के लिए तंत्र की कोई जवाबदेही और कानून-व्यवस्था से कोई गारंटी सुनिश्चित नहीं है। जब तंत्र लगातार ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रेरित करता है तो उसे जनधन की सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा जारी हालिया आंकड़े इस संकटपूर्ण स्थिति का खुलासा करते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2023 में साइबर क्राइम की घटनाओं में 31.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। जिसके आने वाले वर्षों में और अधिक होने की आशंका जतायी जा रही है। जो इस बात का प्रमाण है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से निबटना अब दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित रूप से साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों के आंकड़े जुटाने की एनसीआरबी की पहल महत्वपूर्ण है, जो इस संकट से निबटने की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इन अपराधों से निबटने के लिये कैसे रणनीति बनाते हैं। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि कैसे वे साइबर अपराधियों के संजाल में फंसने से बच सकते हैं। यूं तो डेटा सुरक्षा के लिये तमाम दिशा-निर्देश सरकार के विभिन्न संगठनों की तरफ से दिए जाते हैं, लेकिन आज भी पुरानी पीढ़ी के तमाम लोग ऐसे हैं जो ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग को लेकर पर्याप्त रूप से साक्षर नहीं होते। ऐसे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है कि दैनिक जीवन में ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हुए अपने गोपनीय डेटा की सुरक्षा कैसे करें। लेकिन विडंबना यह है कि साइबर अपराधी नित नए तौर-तरीकों से लोगों को लूटने लगते हैं। कुछ समय पहले साइबर लुटेरों ने स्पूफिंग तकनीक से लोगों को शिकार बनाना शुरू किया। वे सोशल मीडिया अकाउंट में घुसपैठ करके धन की उगाही करने लगते। व्यक्ति को संकट में दिखाकर उसके रिश्तेदारों से धन ऐंठने लगते।

विडंबना यह है कि साइबर ठगी की तकनीक उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों और ई-मेल खातों तक भी पहुंच गई। दरअसल, कभी हैकिंग, तो कभी स्पूफिंग के कपटपूर्ण छल का मकसद लोगों की जमा-पूंजी को निशाना बनाना ही रहा है। दरअसल, जब तक लोग ठगी के इन तौर-तरीकों को समझ पाते, साइबर ठग नई तकनीक के सहारे लोगों को भ्रमित कर चूना लगाने की नई कोशिश में लग जाते हैं। ऐसे में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच सवाल उठता है कि हमारा तंत्र इन घटनाओं में पर प्रभावी रोक लगाने में कामयाब क्यों नहीं हो पाता। आखिर फोन व कंप्यूटर में मजबूत एंटी वायरस और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर क्यों कामयाब नहीं होते। आखिर क्यों साइबर घुसपैठ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इन पर रोक के लिये कोई कारगर व्यवस्था व मैकेनिज्म क्यों नहीं बन पा रहा है।

चिंतन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते।

बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है?

धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

दवाओं की निगरानी के नाम पर अरबों की लूट

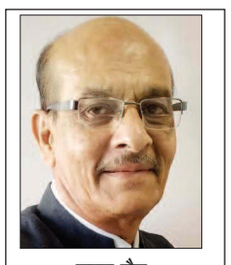

सनत जैन

नेता अधिकारी और डॉक्टर लूट में शामिल... हाल ही में मध्य प्रदेश में करीब एक दर्जन बच्चों की मौत कफ सिरप के कारण हुई है। ये मौतें एक दिन में हुई हों, ऐसा नहीं है। कई दिनों से बच्चों की मौतें हो रहीं थीं। सरकार और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चुप्पी साधकर बैठे रहे, जिसके कारण अकेले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 12 बच्चों की मौत हो गई। इनमें से 11 बच्चे तो एक ही तहसील के थे। कलेक्टर, एसडीएम सरकार का स्वास्थ्य विभाग चुपचाप बैठा रहा। जब मीडिया में यह मामला उभरकर सामने आया। उसके बाद भी सरकार और उसके अधिकारी कछुए की चाल से चलते हुए सफाई देने का काम कर रहे थे।

मध्य प्रदेश सरकार को कफ सिरप को प्रतिबंधित करने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लग गया। यदि इतना बवाल मीडिया मे नहीं हुआ होता, विपक्ष सक्रिय नहीं हुआ होता, तो सरकार भी सक्रिय नहीं होती। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें दवा के निर्माण, मूल्य नियंत्रण, गुणवत्ता के साथ ही दवा कारोबार पर नियंत्रण रखने को लेकर जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह विभाग पूरी तरह से कोमा मे चला गया है। बात केंद्र सरकार से शुरू करते हैं। दवा कंपनियों द्वारा मूल्य नियंत्रण और दवा उत्पादन को लेकर सरकार के मंत्रियों और सत्तारुढ़ राजनीतिक दल को करोड़ों रुपए का चंदा देकर दवा के मूल्य निर्धारित कराती हैं। चुनावी चंदे के रूप में इलेक्टोरल बांड के माध्यम से दवा कंपनियों द्वारा करोड़ों रुपए का चंदा दिए जाने की बात पहले ही उजागर हो चुकी है। इसके अलावा राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग मे कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने राज्यों में दवाओं के कारोबार को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार हैं। पिछले एक दशक से केंद्र एवं राज्य सरकारों के स्वास्थ्य विभागों की हालत बेहद खस्ता है। जनसंख्या बढ़ने, अस्पताल बढ़ने, केमिस्टों की संख्या बढ़ने के साथ ही दवा निमार्ताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा इस कारोबार को नियंत्रित करने के लिए तथा गुणवत्ता बनाए रखने, लोगों, के जीवन को सुरक्षित करने के लिए जो कार्य करना चाहिए था, वह नहीं किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग में नई नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। जो अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृत हो गए हैं, उनके पद रिक्त पड़े हुए हैं। दवाइयों की जांच का जिम्मा इंस्पेक्टर और ड्रग कंट्रोलर का है। जो काम स्वास्थ्य विभाग को करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। ड्रग इंस्पेक्टर्स की संख्या लगातार घटती चली जा रही है। जब भी कोई घटना होती है उसके बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकारें बड़े-बड़े दावे जरूर करती हैं, लेकिन दावों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं होता है। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रेस रिलीज करके अपना पल्ला, यह कहते हुए झाड़ लिया, मध्य प्रदेश सरकार ने समय पर जांच के लिए लैबोरेट्री सिरप नहीं भेजा। मध्य प्रदेश सरकार को 10 से 15 दिन का समय केवल सैंपल भेजने मे लग गया। तमिलनाडु में भी इसी तरह बच्चों के मौत की घटना हुई थी। 3 दिन के अंदर रिपोर्ट आ जाने के बाद भी तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार द्वारा अन्य राज्यों को सजग नहीं किया गया। 1 महीने से सिरप के कारण बच्चों की मौतें हो रही थीं। यदि समय रहते यह सूचना सभी राज्यों को दे, दी जाती तो सभी राज्यों में कफ सिरप को प्रतिबंधित कर दिया जाता। कई बच्चों की जान बच जाती। प्रशासनिक लापरवाही से बच्चों की मौतें होती रहीं। 2017 में केंद्र सरकार ने नीति बनाई थी। लेबोरेटरी से कोई दवा मानक पर खरा नहीं उतरती है, तो उसे 72 घंटे के अंदर वापस लेने का प्रावधान किया गया था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। 2023 में डब्लूटीओ ने भी चेतावनी जारी की थी। भारत का सिरप साउथ अफ्रीका भेजा गया था, वहां पर बड़ी संख्या में मौतें हुई थीं। भारत में निर्मित दवाएं विदेश में निर्यात की जा रही हैं, ऐसी स्थिति में इनकी गुणवत्ता की तरफ विशेष ध्यान होना चाहिए। दवाओं में जिस तरीके के नशीले पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है उसको लेकर केंद्र एवं राज्य सरकारों को ज्यादा सजगता बरतने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मध्य प्रदेश में पिछले 8 महीने में जांच के दौरान 27 कंपनियों की 76 दवाइयां अमानक पाई गई हैं। इसमें पेरासिटामोल कई तरह के इंजेक्शन, सिरप और कैल्शियम की गोलियां शामिल थीं। इसके बाद भी इन पर दवाई वापस बुलाने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की गई। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की रिपोर्ट भी बताती है, इंदौर, पीथमपुर, देवास, उज्जैन, भोपाल, रतलाम और ग्वालियर की कई दवा कंपनियों की दवाएं अमानक पाई गई हैं। मध्य प्रदेश सरकार के पास पर्याप्त संख्या में ड्रग इंस्पेक्टर ही नहीं हैं। जो हैं, वे जांच के नाम पर केमिस्ट और दवा निमार्ताओं से वसूली में लगे रहते हैं। अमानक दवाइयां पाए जाने के बाद भी केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा कोई दंडात्मक कार्यवाही निमार्ताओं पर नहीं की जाती है। आर्थिक दंड और ब्लैक लिस्ट कर-के मामले को कुछ समय के लिए दबा दिया जाता है। जिसके कारण जहरीली और नशे की दवाइयों का कारोबार दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है। वर्तमान समय मे दवा कंपनियों द्वारा डॉक्टर और अस्पतालों के अनुसार अलग-अलग ब्रांड की दवाइयां महंगे प्रिंट रेट पर बेची जा रही हैं। दवाओं के नाम पर आम आदमी को खुलेआम लूटा जा रहा है। जेनेरिक दवाइयां होते हुए भी ब्रांडेड दवाइयां के नाम पर लूट जारी है। पिछले 11 वर्षों से दवाइयों की कीमतें लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। दवाइयों की गुणवत्ता घट रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों का निगरानी तंत्र पूरी तरह से विफल हो गया है। निगरानी रखने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा जो स्टाफ नियुक्त किया जाना था, वह आज तक नहीं किया गया है। एक-एक ड्रग इंस्पेक्टर के पास कई ड्रग इंस्पेक्टर्स का प्रभार है। ड्रग के इस कारोबार में बहुत पैसा, रिश्वत और चंदे के रूप में दवा निमार्ताओं द्वारा दिया जा रहा है। जिसके कारण मरीजों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है। बीमार होने पर मरीज डॉक्टरों के पास जाता है, वे अपने मरीज को महंगी- महंगी दवाइयां लिखते हैं। ठीक हो गए तो उसका भाग्य, नहीं हुए तो इलाज के बहाने डॉक्टर और दवा कंपनियों की कमाई तो बढ़ती ही जाती है। बड़ी संख्या में मौत होने के बाद हर बार जब मामला तूल पकड़ता है सरकार और उनके अधिकारी सक्रिय हो जाते हैं। मुआवजा देकर मामले को निपटाने और ठंडा करने का प्रयास किया जाता है। कुछ दिन बाद लोग भूल जाते हैं। भारत में दवा के कारोबार में राजनेताओं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, डॉक्टर्स और दवा कंपनियों के निमार्ताओं का एक ऐसा सिंडिकेट बन गया है, जिसे तोड़ पाना संभव नहीं दिखता है। इस समय दवा और इलाज के नाम पर जो लूट हो रही है, उससे निपटने के लिए जनता को ही लड़ाई लड़ने के लिए सामने आना होगा। अन्यथा इसी तरीके से मासूमों की जानें जाती रहेंगी।

मुद्दा-प्लास्टिक प्रदूषण, गहराता वैश्विक संकट व असफल होती वैश्विक संधि

अनिरूद्ध गौड़

एक समय था जब प्लास्टिक को आधुनिक सभ्यता की बड़ी खोज माना गया था। समय बीता प्लास्टिक उत्पादन में नई खोजें हुईं और प्लास्टिक उद्योग ने पूरे विश्व में चारों ओर छा गया। लेकिन अंधाधुंध प्लास्टिक के उपयोग ने वर्तमान में विश्व के पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा कर दिया है। हाल ही में 'द लैंसेट' जरनल की एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्लास्टिक प्रदूषण से हर साल वैश्विक स्वास्थ्य पर करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बोझ पड़ रहा है। यूनाइटेड नेशन का अनुमान है कि यदि प्लास्टिक प्रयोग का यदि यही आलम रहा तो वर्ष 2040 तक पर्यावरण रिसाव 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। परिणाम होगा कि 2015 से 2040 के बीच प्रदूषण से होने वाले पर्यावरणीय और आर्थिक नुकसान की राशि 281 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच सकती है।

मालुम हो कि सन 1950 में जहां विश्व में सिर्फ 2 मेगाटन प्लास्टिक का उत्पादन होता था, वहीं 2022 तक यह बढ़कर 475 मेगाटन तक पहुँच गया। अनुमान है कि अगले तीन दशकों में यानी 2060 तक यह उत्पादन 1200 मेगाटन तक पहुंच सकता है। विडंबना यह है कि इस विशाल मात्रा में उत्पादित प्लास्टिक का मात्र 10 प्रतिशत ही पुनर्चक्रण किया जा पाता है, बाकी प्लास्टिक नदियों, समुद्रों और लैंडफिल में जमा होकर प्रदूषण फैलाता है। इसमें वैश्विक स्तर पर 57 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा खुले में जलाया जाता है। इससे वायु प्रदूषण की समस्या गहरा रही है। हाल यह है कि करीब 8 हजार मेगाटन प्लास्टिक कचरा ग्रह को प्रदूषित कर रहा है।

प्लास्टिक प्रदूषण के कारण उत्पन्न माइक्रोप्लास्टिक अब केवल मिट्टी, पानी और वायुमंडल तक सीमित नहीं रहेय वे मानव शरीर में भी प्रवेश कर चुके हैं। ये सूक्ष्म कण ह्रदय, फेफड़े, आंत, रक्त और यहां तक कि गर्भस्थ शिशु तक पहुँच चुके हैं, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम बढ़ गए हैं। प्लास्टिक प्रदूषण संकट से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2022 में देशों ने सर्वसम्मति से नैरोबी में प्रस्ताव 5/14 पारित किया था, जिसका उद्देश्य 2040 तक वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है। इस लक्ष्य के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी वैश्विक प्लास्टिक संधि तैयार की जानी थी, जिसके लिए अब तक पाँच अंतर-सरकारी वार्ता सत्र आयोजित हो चुके हैं।

चिंताजनक बात है कि इस प्लास्टिक संधि को लेकर पिछले दिनों 5-15 अगस्त, 2025 को जिनेवा में संपन्न हुआ पांचवाँ सत्र बिना किसी ठोस परिणाम के समाप्त हो गया। मुख्य मुद्दों जैसे प्लास्टिक उत्पादन पर वैश्विक सीमा, हानिकारक रसायनों पर प्रतिबंध और वित्तीय सहायता पर कोई सहमति नहीं बन सकी। सौ से अधिक देश उत्पादन सीमाओं के पक्षधर रहे, वहीं सऊदी अरब, रूस, ईरान और अमेरिका जैसे पेट्रो-राष्ट्र इसका विरोध में रहे हैं।

विश्व के विकासशील देशों की मांग है कि उन्हें तकनीकी सहयोग और वित्तीय सहायता मिले ताकि वे प्लास्टिक प्रदूषण से निपट सकें, जबकि अमीर देश अनिच्छुक हैं। साथ ही, कुछ राष्ट्र इस संधि को बाध्यकारी बनाने के बजाय स्वैच्छिक उपायों की दिशा में बढ़ना चाहते हैं। भारत वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण में एक प्रमुख योगदानकर्ता है। नेचर पत्रिका के एक अध्ययन के अनुसार, भारत हर साल करीब 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का लगभग पांचवां हिस्सा है। भारत ने संधि वार्ता में विकासशील देशों के हितों की वकालत करते हुए प्लास्टिक उत्पादन सीमा का विरोध किया है।

हालांकि, भारत सरकार ने घरेलू स्तर पर सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास किए हैं। 2019 में प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में देश को सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने का आह्वान किया था। 2025 के विश्व पर्यावरण दिवस पर भी उन्होंने दोहराया कि भारत सतत विकास की दिशा में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए संकल्पबद्ध है।

आज प्लास्टिक का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। उत्पादों की पैकेजिंग, निर्माण, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण, यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों में भी बड़ा उपयोग है। इसका सस्ता, टिकाऊ और बहुपरकीय स्वरूप इसे व्यावसायिक दृष्टि से आकर्षक बनाता है, लेकिन इसके अपशिष्ट प्रबंधन की विफलता इसे अभिशाप में बदल रही है। आंकड़ों के अनुसार, हर साल करीब 40 करोड़ मीट्रिक टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से 90: या तो जलाया जाता है या लैंडफिल में जमा हो जाता है। कई गरीब देशों में प्लास्टिक जलाने से वायु प्रदूषण और गंभीर बीमारियाँ फैल रही हैं। प्लास्टिक उद्योग पर पेट्रोकेमिकल लॉबी का दबदबा, वैश्विक राजनीतिक मतभेद और आर्थिक हितों की टकराहट इस समस्या के समाधान में सबसे बड़ी बाधा बन चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की कार्यकारी निदेशक इन्गर एंडरसन का मानना है कि भले ही संधि अभी तक न बनी हो, लेकिन प्रयास जारी रहेंगे। उधर, संधि के पक्षधरों का मानना है कि कमजोर संधि बनने से यही अच्छा है कि यह नहीं हुई।

माना जाए तो जिनेवा वार्ता की विफलता केवल एक कूटनीतिक असफलता नहीं, बल्कि यह एक वैश्विक चेतावनी है। यदि शीघ्र ही कोई ठोस, बाध्यकारी और सर्वसम्मत संधि नहीं बनती, तो प्लास्टिक प्रदूषण से जुड़े सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्यगत संकटों की गंभीरता और बढ़ जाएगी। इस समस्या से निपटने को विश्व के सभी देश राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं, साथ ही अपने राष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम उठाएं। यह केवल सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी अपनी प्लास्टिक खपत की आदतों में बदलाव लाना होगा। सतत विकास का रास्ता केवल तकनीकी समाधान से नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति और व्यवहार परिवर्तन से ही संभव होगा। प्लास्टिक के पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण को बढावा देने में जागरूकता और वैकल्पिक विकल्पों को अपनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने होंगे।

शरद पूर्णिमा : चंद्र विज्ञान और आस्था का अद्भुत संगम

हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'शरद पूर्णिमा' पर्व मनाया जाता है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण स्वरूप में आसमान में चमकता है। इस वर्ष यह पावन तिथि 6 अक्तूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से आरंभ होकर 7 अक्तूबर की सुबह 9 बजकर 16 मिनट तक रहेगी, इसलिए शरद पूर्णिमा 6 अक्तूबर की रात को मनाया जाएगा। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव भी कहा जाता है। इस रात चंद्रमा की रोशनी इतनी तेज होती है कि धरती दूधिया उजास में नहा उठती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। यह माना जाता है कि इन किरणों में स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। वेदों और पुराणों में चंद्रमा को औषधियों का स्वामी माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'मैं ही सोम रूप चंद्रमा बनकर समस्त औषधियों को पुष्ट करता हूं।'

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक कला मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है, इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था। इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदावन और बृज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है।

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। 'कोजागर' का अर्थ है 'कौन जाग रहा है?' मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत बरसता है और वह अमृत खीर में समा जाता है। सुबह उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो अमृत समान मानी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से दूध, चावल और चीनी चंद्र ग्रह से जुड़े तत्व हैं। इसीलिए चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर में उसकी शुभ ऊर्जा और औषधीय गुण समा जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस परंपरा का गहरा अर्थ है। दूध में लैक्टिक एसिड और खीर में मौजूद चावल के स्टार्च के कारण जब इसे खुली चांदनी में रखा जाता है तो उसमें ऐसे परिवर्तन होते हैं, जो इसे अधिक पौष्टिक बना देते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की किरणों में मौजूद अल्ट्रा-वॉयलेट और इंफ्रारेड ऊर्जा दूध में मौजूद सूक्ष्म जीवों की क्रिया को सक्रिय करती है, जिससे वह पाचन में सहायक और स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। इसीलिए शरद पूर्णिमा की रात रखी खीर को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि रावण इस रात दर्पण के माध्यम से चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर युवा शक्ति प्राप्त करता था। यह कथा प्रतीक है कि चंद्रमा की किरणें शरीर में ऊर्जा, शांति और जीवन शक्ति भरने का सामर्थ्य रखती हैं। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन की भी प्रतीक है। यह दिन वर्षा ऋतु की समाप्ति और शीत ऋतु के आगमन की घोषणा करता है। मौसम बदलने के इस समय शरीर को नई जलवायु के अनुकूल बनाना आवश्यक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय वात, पित्त और कफ दोषों में असंतुलन की संभावना बढ़ती है। खीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शरद पूर्णिमा की रात का सौंदर्य अद्भुत होता है। जब पूर्ण चंद्रमा आकाश में अपनी सोलह कलाओं के साथ दमकता है तो उसकी दूधिया रोशनी में पूरी धरती जैसे अमृत में डूब जाती है। इस दृश्य को देखकर मन में स्वतः शांति और प्रसन्नता का संचार होता है। यह रात केवल पूजा या जागरण की नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि और ध्यान की भी होती है। यह दिव्य पर्व हमें संदेश देता है कि जैसे चंद्रमा अंधकार को मिटाकर जग को उजाला देता है, वैसे ही हमें अपने भीतर की अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान और करुणा का प्रकाश फैलाना चाहिए। यह पर्व केवल बाहरी चंद्रमा का नहीं बल्कि हमारे भीतर के चंद्र स्वरूप (शीतलता, शांति और प्रेम) का भी उत्सव है।

कुछ स्थानों पर शरद पूर्णिमा को फसल कटाई के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। किसान इस दिन प्रकृति को धन्यवाद देते हैं क्योंकि शरद ऋतु के आगमन के साथ खेतों में नई ऊर्जा और फसल की खुशबू भर जाती है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान, आस्था और प्रकृति, चारों का संगम है। यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जब प्रकृति, मनुष्य और परमात्मा तीनों एक लय में नृत्य करते हैं और इस लय में ही जीवन का सच्चा आनंद छिपा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अमरोहा
सोमवार - 06 अक्टूबर 2025
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

प्राइवेट बस संचालकों की मनमानी, राजस्व को करोड़ों रुपए का नुकसान, सरकार को ठेंगा दिखा रही बस

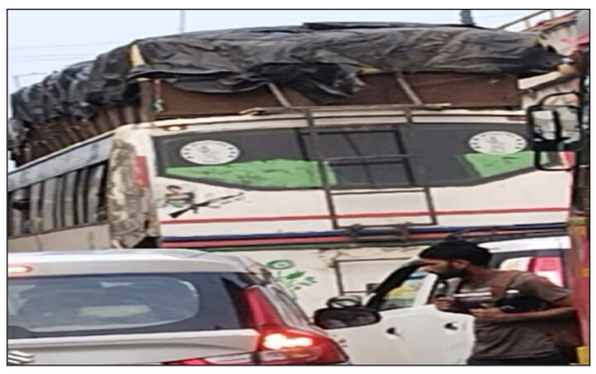

समय बदला तरीका बदला लोडिंग वाहनों का समान प्राइवेट बसों से किया जा रहा इधर से उधर

बदायूं, संभल, रामपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर से होकर अमरोहा, गजरौला व जनपद हापुड़ से होते हुए पहुंचती है दिल्ली

अमरोहा (सब का सपना):- डग्गा मार वाहनो को बंद करने के लिए सरकार ने लाखों जतन किए हैं इतना ही नहीं सरकार के द्वारा समय-समय पर कहा गया की रोड पर जाम नहीं लगने दिया जाएगा। रोड पर डग्गा मारी नहीं करने दी जाएगी लेकिन यह क्या जहां से रोडवेज बस निकलती है उसी रोड पर रोडवेज बस के किराए से कम रुपए में आपको अब प्राइवेट बस लेकर जाती है और रोडवेज बस से कम समय में आपको आपके स्थान तक पहुंचा देती है। हां यह बात अलग है कि रोडवेज बस में बैठने के बाद आप सुरक्षित महसूस करेंगे लेकिन प्राइवेट बस में बैठने के बाद आप घर वापस जा पाएंगे या नहीं इसकी गारंटी नहीं है। ज्ञात रहे कि आम

आदमी का ओवर स्पीड में चालान कट जाता है। जगह-जगह पर पुलिस चेकिंग करते हुए दिखाई देती है। आम आदमी कार में बगैर सीट बेल्ट के मोटरसाइकिल पर बगैर हेलमेट के यदि गलती से भी दिखाई दे गया तो समझो कि उसका चालान कटना निश्चित तय है। यह अच्छी बात है की आम जनमानस को उसकी सुरक्षा के लिए सरकार के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जाता है। जिससे कि आम जनमानस सैफ चलें सुरक्षित रहे, लेकिन वहीं दूसरी तरफ प्राइवेट बसें ओवर स्पीड के साथ चलती हैं। अधिकारियों के द्वारा इन बसों की तरफ शायद ही निगाहें उठाकर देखा जाता हो या यू कहें की कार्यवाही के नाम पर दो-चार बसों पर कार्रवाई कर इतिश्री कर दी जाती है। आखिर ऐसा कौन सा लालच है जिसकी वजह से यह बसें सरकार को राजस्व का नुकसान देने में कामयाब हो रही है? और अधिकारी इन बसों पर कार्रवाई करने के लिए तैयार ही नहीं है?

लोडिंग वाहनों का सामान लेकर रोड पर दौड़ती है यह बसें

वहीं दूसरी तरफ लोडिंग वाहनों का सामान इन बसों के द्वारा देश की राजधानी दिल्ली जैसी जगह से यूपी में बगैर टैक्स के लाया जा सकता है। इतना ही नहीं इन बसों की बॉर्डर

पर भी शायद ही कोई चेकिंग होती हों। इसीलिए इन बसों में एक नंबर ही नहीं बल्कि दो नंबर के भी काफी सामान इधर से उधर किये जा सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ लोडिंग वाहन अब धीरे-धीरे पतन की ओर जा रहे हैं। इसका मुख्य कारण है की लोडिंग वाहन का सामान भी बसों के द्वारा इधर से उधर लाया और ले जाया जा रहा है।

लोडिंग वाहन से सस्ते किराए में सामान को लेकर जाती हैं यह बसें

जो सामान को लोडिंग वाहन उदाहरण के तौर पर दस हजार रुपए में लेकर जाता है उसी समान को यह बसें मात्र पांच हजार में लेकर चली जाती हैं। जिससे कि व्यापारी बगैर किसी टेंशन के इन बस मालिकों को सामान पहुंचाने का ठेका देने का कार्य करते हैं और अपना टैक्स भी बचा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ लोडिंग वाहन लगातार घाटे की तरफ जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अब ऐसे में सवाल उठता है कि क्या टैक्स चोरी को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं या फिर केवल इतिश्री की जा रही है।

अनेकों जनपदों व अनेकों पुलिस थानों व चौकियो से गुजरते हुए पहुंचते हैं दिल्ली

समझने वाली बात यह है कि बदायूं, संभल से होते हुए गजरौला (अमरोहा) हापुड़ से यह बस सामानों को लेकर दिल्ली पहुंच जाती हैं वहीं रामपुर, बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा, गजरौला, हापुड़ से होते हुए भी बसें दिल्ली पहुंचती हैं। बिजनौर, चांदपुर, धनोरा होते हुए भी बस गजरौला से हापुड़ होते हुए दिल्ली पहुंचती हैं।

इन बसों में सवारियों को तो रोडवेज बसों के रूट से बैठाया और उतारा ही जाता है लेकिन वही इन बसों के अंदर और छत पर अगर आप देखेंगे तो न जाने कितना सामान अवैध तरीके से इधर से उधर लाया और ले जाया जा रहा है। लेकिन जब इस विषय में आप अधिकारियों से बात करेंगे तो उनका जवाब केवल आपको गोल मटोल ही मिलेगा। हालांकि सूत्रों के माध्यम से जानकारी मिलती रहती है कि इन बसों से प्राइवेट लोगों के माध्यम से अवैध तरीके से उगाही की जाती है और उस धन का हिस्सा बटवारा भी किया जाता है। अब देखना यह होगा कि सब कुछ यूं ही चलता रहेगा या फिर कुछ बदलेगा भी?

भाकियू (भानू), ठाकुर भानु प्रताप सिंह का 73वां जन्मदिन मनाया गया

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (भानू) किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह के 73वें जन्मदिवस दिवस को बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। बता दें, कि ग्राम जयतोली में डॉक्टर हाशिम चौधरी (जिला उपाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन- भानू) के नेतृत्व में ठाकुर भानु प्रताप सिंह का जन्मदिन जन्म दिवस मनाया गया, और एक दूसरे को मिठाई खिला कर व फल वितरण कर शुभकामनाएं दी। डॉक्टर हाशिम ने कहा की संगठन हमेशा दिन-रात लोगों के हित के लिए काम कर रहा है और करता रहेगा। इसलिए संगठन मैं शामिल होने के लिए लोग सदस्यता अभियान में शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. हाशिम चौधरी (जिला उपाध्यक्ष) हसीन चौधरी (उत्तर प्रदेश महासचिव), तासीर, जमशेद चौधरी, जावेद चौधरी जिला (मीडिया प्रभारी), लोकेश चौहान, सुमित त्यागी, बबलू गुर्जर व हजारों की तादाद में लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा किया गया पथ संचलन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर हसनपुर के कायस्थान बस्ती में दिव्य और भव्य पथ संचलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के किया गया। जो नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए निकाला गया। जगह-जगह व्यापारियों द्वारा भारत माता के जयघोष के साथ स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। पथ संचलन में मुख्य रूप से हसनपुर के संघचालक दीपक कुमार, नगर कार्यवाहक सोनू कुमार, प्रधानाचार्य भूदेव सिंह, अक्षी अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद हसनपुर के अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, पंकज भटनागर, अमित शर्मा, संदीप गुप्ता, डॉक्टर शिवचरण दास, अभिरव अग्रवाल, आदि हजारों की संख्या में स्वयंसेवक पथ संचलन में मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान के तहत पिछले तीन माह में 112 मामलो/वादो को सुलह समझौते के आधार पर कराया गया निस्तारित

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा, नई दिल्ली तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार जनपद अमरोहा में दिनांक 01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया गया। जिसमे पिछले तीन माह में कुल 112 मामलो/वादो को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराया गया। इस अभियान के अन्तर्गत वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावें, घरेलू हिंसा, चैक वांउस के वाद, वाणिज्यिक विवाद, सेवा विवाद, शमनीय आपराधिक वाद, ऋण वसूली के वाद, संपत्ति के बटवारे से संबंधित वाद, बेदखली से संबंधित वाद, भूमि अधिग्रहण के वाद, दिवानी वाद, उपभोक्ता से संबंधित वाद समझौते के आधार पर निस्तारित कराये गये। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ज्योति चौधरी द्वारा मध्यस्थता अभियान के समापन पर मध्यस्थता अधिवक्तागण को प्रस्तित पत्र वितरित किये गये इस दौरान मध्यस्थ अधिवक्ता अवनीश शरण बसंल, जय प्रकाश यादव, मतलुब सुहानी, मुख्तार अहमद नक्वी, उवैद खां, आसिफा आलमी, शबनम परवीन को प्रस्तित पत्र देकर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सम्मानित किया गया। इस अभियान के अन्तर्गत कुल 112 मामले निस्तारित किये गये जिसमे 85 मामले वैवाहिक वाद, 4 मामले घरेलू हिसां के 9 मामले चैक बाउन्स के व 8 सिविल मामले सुलह समझौते के आधार पर मध्यस्थता अभियान के अन्तर्गत निस्तारित कराये गये। इस अभियान का उददेश्य मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालयो मे लम्बित प्रकरणो को निस्तारित कराने का था।

संचारी रोग अभियान को लेकर ग्राम पंचायत में किया जाएगा मच्छरों की दवाइयां का छिड़काव और फॉकिंग का कार्य

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में रविवार से संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ हो चुका है। पंचायती राज विभाग ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने बताया कि अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायत सचिवों को अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी ग्राम पंचायत में बुखार या अन्य संचारी रोग की सूचना मिलती है, तो उन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही, नालियों और तालाबों में मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए दवाइयों का छिड़काव करने के आदेश दिए गए हैं। सभी ग्राम पंचायतों में फॉगिंग का कार्य भी कराया जाएगा।

सिसोदिया ने लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, ताकि मच्छरों और संचारी रोगों के प्रसार को रोका जा सके। यह अभियान जिले में स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। विभाग द्वारा ग्रामीण स्तर पर जागरूकता फैलाने और रोग नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय किए जा रहे हैं।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अधिनियम के तहत अमरोहा में जागरूकता रैली

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत, संचारी रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने और उनके नियंत्रण के लिए एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतपाल सिंह के नेतृत्व में किया गया। रैली नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अमरोहा पर समाप्त हुई। रैली को राज्य दर्जा प्राप्त मंत्री ओम प्रकाश गोला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जागरूकता रैली में नगर पालिका परिषद अमरोहा के कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, डिप्टी सीएमओ, नोडल अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य जनता को संचारी रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया आदि से बचाव के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान स्वच्छता और रोग नियंत्रण के महत्व पर जोर दिया गया। रैली के दौरान एक शपथ समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे जन सामान्य को संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरूक करेंगे और अपने आसपास ऐसी परिस्थितियों को नहीं पनपने देंगे, जो इन रोगों के फैलाव का कारण बन सकती हैं। शपथ में स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों के प्रजनन को रोकने जैसे कदमों पर बल दिया गया। यह अभियान जिले में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। स्वास्थ्य विभाग ने इस अवसर पर लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास साफ-सफाई रखें और पानी के जमाव को रोकें, ताकि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। इस रैली ने आम जनता में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

थाना जुनावई पुलिस ने फर्जी चरित्र प्रमाण पत्र बनाने वाला किया गिरफ्तार

जुनावई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जुनावई पुलिस ने फर्जी चरित्र प्रमाण पत्र बनाने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान गुड्डू पुत्र ऋषिपाल, निवासी ग्राम धनीपुर, थाना जुनावई, जनपद सम्भल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अमरीश पुत्र भूरे, निवासी ग्राम दवथरा श्याम, थाना जुनावई ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होंने एक कंपनी में नौकरी के लिए जुनावई में कम्प्यूटर की दुकान चलाने वाले गुड्डू से चरित्र प्रमाण पत्र बनवाया था। बाद में पता चला कि गुड्डू ने उन्हें फर्जी चरित्र प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस तहरीर के आधार पर थाना जुनावई में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। 4 अक्टूबर को जुनावई पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त गुड्डू को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक गौरव चौधरी और कांस्टेबल नदीम शामिल थे।पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई अपराधियों पर नकेल कसने और कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन, 2834 मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार

संभल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 221वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में 34 चिकित्सकों और 127 पैरा-मेडिकल स्टाफ ने 2834 मरीजों, जिनमें 1249 पुरुष, 1116 महिलाएं और 469 बच्चे शामिल थे, जिनका निःशुल्क उपचार किया। मेले के दौरान आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 140 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड और 185 आभा आई.डी. बनाए गए। विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों का इलाज किया गया, जिसमें बुखार के 240, चर्म रोग के 373, दमा के 239, मधुमेह के 84, नेत्र रोग के 23, उच्च रक्तचाप के 75 और अन्य रोगों से संबंधित मरीज शामिल थे। बुखार के 57 मरीजों की मलेरिया और 23 मरीजों की डेंगू जांच की गई, जिसमें सभी की रिपोर्ट नकारात्मक रही। परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष काउंटर स्थापित किए गए, जहां परामर्श और सामग्री उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकताओं ने संचारी रोगों से बचाव और सोर्स रिडक्शन के लिए जागरूकता अभियान चलाया। साथ ही, 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत 307 व्यक्तियों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया। मेले का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित जनपद और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने किया। इस आयोजन ने स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वाहन चोरी करने वाले अन्तर्जनपदीय गैंग का अमरोहा पुलिस ने किया खुलासा खुलासा

2 शातिर अभियुक्तों से अमरोहा,बिजनौर में विभिन्न स्थानों से चोरी की हुई 09 मोटर साईकिल बरामद

नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस द्वारा वाहन चोरी करने वाले अन्तर्जनपदीय गैंग का खुलासा कर 02 शातिर अभियुक्त/वाहन चोर गिरफ्तार किये गये है। जिनके कब्जे से जनपद अमरोहा, बिजनौर में विभिन्न स्थानों से चोरी की हुई 09 मोटरसाईकिल बरामद की गई है। थाना नौगावां सादात पुलिस द्वारा शनिवार की रात्रि चैकिंग के दौरान बीलना पुल चौराहे से सैला की तरफ से 02 मोटरसाईकिल पर सवार 02 अभियुक्तों 1.नजाकत पुत्र अमीर हसन निवासी मौ0 कुरेशी गली नं0 07 थाना अमरोहा नगर जनपद अमरोहा 2.मौहम्मद युसुफ पुत्र याकूब अली निवासी मौ0 तकिया मोती शाह थाना अमरोहा नगर जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से चोरी की 02 मोटर साईकिल तथा अभियुक्तों की निशादेही पर ग्राम फरीदपुर इम्मा की तरफ कच्ची चकरोड़ पर बन्द पड़ी मीट फैक्ट्री के पीछे बाग के किनारे झाड़ियो में छुपाकर रखी गई चोरी की 07 अन्य मोटर साईकिल बरामद की गयी है। जहां से अभियुक्तों का एक अन्य साथी नईम अहमद पुत्र रहीस अहमद निवासी राजा का ताजपुर थाना नूरपुर जिला बिजनौर मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की कुल 09 मोटरसाईकिल बरामद हुई हैं।

गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म के वाहन चोर अपराधी है जोकि आर्थिक लाभ हेतु अपने साथी के साथ मिलकर अमरोहा, बिजनौर आदि जगहों से दो पहिया वाहन मोटर साईकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है तथा चोरी की हुई मोटरसाईकिलों को अच्छे दामो में बेचकर आर्थिक लाभ कमाते है । बरामद मो0सा0 पैसन हीरो रंग लाल रजि0 नम्बर UP23L8034 जिसे अभियुक्तों द्वारा बीलना ईदगाह के पास से चोरी की थी। जिसके सम्बन्ध में थाना नौगावां सादात पर पूर्व में मुकदमा पंजीकृत है, बरामद मो0सा0 ल्रक्ष डीलक्स, रंग नीला काला रजिस्ट्रेशन नं0 वढ23 7048 जिसे करीब 01 वर्ष पूर्व गजस्थल से चोरी किया गया था मुकदमा पंजीकृत है तथा बरामद मो0सा0 हीरो स्पलैण्डर रंग काला रजिस्ट्रेशन नं0 UP23AM6258 अभियुक्तगण द्वारा थाना नौगावा सादात क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मखदूमपुर से चोरी की थी जिसके सम्बन्ध में थाना नौगावां सादात पर मु0अ0सं0 62/25 धारा 303(2) इठर पंजीकृत है। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि वह शातिर किस्म के वाहन चोर अपराधी है जोकि अमरोहा, बिजनौर से अलग अलग स्थानों से मो0सा0 चोरी करके इस सूनसान जगह में छिपा देते थे तथा मौका मिलने पर उन्हे बेच देते थे।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ के बारे में कराया गया अवगत

जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में स्कूल/कालेज मे पढने वाली बच्चियों/छात्राओं को सरल भाषा में गुड टच बैड टच आदि के बारे में भी दी गई जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी मिशन शक्ति फेज-5.0 अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में रविवार को जनपद भर के सभा थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति के अंतर्गत कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। जिसमे महिला थाना प्रभारी श्रीमती मिनाक्षी गुप्ता, उ0नि0 ममिता, म0का0 प्रिया, थाना अमरोहा देहात उ0नि0 महिमा चौधरी म0का0 रेखा

रानी, थाना रजबपुर म0उ0नि0 अंजना चौधरी, हे0का0 सहदेव , म0का शालू, म0का0 सर्वेश, थाना नौगावां सादात उ0नि0 रानी यादव, म0का0 ममता राजपूत, म0का0 स्वाति, थाना डिडौली महिला सुरक्षा दल, थाना गजरौला म0का0 सीमा, म0का0 दीपिका , म0का आशा, म0का0 उज्मा चौधरी, महिला थाना गजरौला* - उ0नि0 कृष्णा दाहिमा,थानाध्यक्ष प्रिया रानी व म0का0 आशा पाल, थाना हसनपुर उ0नि0 प्रेम पाल, उ0नि0 नेहा नेहरा, म0का0 प्रियंका व म0का0 पूजा, थाना आदमपुर म0का0 ज्योति व म0का0 सोनिया, म0का0 अनु पंवार, थाना रहरा वरिष्ठ उ0नि0 संदीप कुमार म0का0 लिटिल मलिक म0का0 रूबी नैन.थाना अमरोहा नगर महिला सुरक्षा दल, थाना बछरायूँ उ0नि0 संजोग तोमर, म0हे0का0 पारुल, म0का0 वर्षा,

थाना मण्डी धनौरा-* म0हे0का0 दुर्गावती, म0का0 मोनिका तोमर द्वारा मिशन शक्ति फेज -5 कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में समस्त थानो के क्षेत्रान्तर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं को सरल तरीके से गुड टच और बैड टच के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से समझाया गया । बालिकाओं को बाल यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) और बच्चों से जुड़े अन्य अपराधों की पहचान, उनसे सुरक्षा के उपाय, एवं उनके विरुद्ध कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई । इसके अतिरिक्त बाल यौन शोषण, बाल मजदूरी, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, साइबर अपराध, और अन्य बाल अपराधों के विषय में भी बच्चों को अवगत कराया गया । मिशन शक्ति टीम ने बच्चों को 1098 (चाइल्डलाइन हेल्प नंबर) एवं 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा) के बारे में भी जानकारी दी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे सहायता प्राप्त कर सकें । मिशन शक्ति पुलिस टीम ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे कभी भी किसी असामान्य तथा असहज स्थिति का सामना करें, तो निडर होकर अपने माता-पिता, शिक्षकों या नजदीकी पुलिस अधिकारी को बताएं । कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें संवेदनशील विषयों पर खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करना तथा एक सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण का निर्माण करना तथा शासन द्वारा उनके सशक्तीकरण हेतु चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें पम्प्लेट वितरित किए गए ।

बृजघाट पुल पर अनियंत्रित रोडवेज बस ने तोड़ी रेलिंग दोनों पुलों के बीच में लटकी यात्रियों की जिंदगी,बड़ा हादसा टला

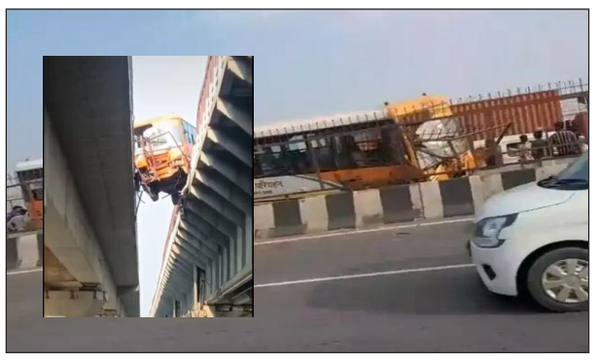

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र के बृजघाट गंगा पुल पर एक रोडवेज बस अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए दोनों पुलों के बीच में लटक गई। बताया जा रहा है कि रोडवेज बस रामपुर से दिल्ली जा रही थी, गनीमत रही की बस दोनों पुलों के बीच में लटक गई यदि नीचे गिर जाती तो एक बहुत ही बड़ा हादसा हो सकता था। इस दौरान बस में सवार यात्रियों को बमुश्किल बस से बाहर निकाला गया। बता दें कि यह घटना हापुड़ और अमरोहा सीमा पर करीब 5:30 बजे के आसपास हुई। रामपुर डिपो की यह बस तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित हो गई और पुल के डिवाइडर पर बनी रेलिंग को तोड़कर दूसरे पुल की रेलिंग से जा टकराई और दोनों पुलों के बीच में लटक गई, हादसा होते ही बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। गनीमत यह रही की बस दोनों पुलों लों के बीच लटक गई और कोई यात्री बस के बाहर नहीं निकला वरना किसी की जान भी जा सकती थी। सूचना मिलते ही हापुड़ जिले के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से बस में सवार सभी 16 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में कुछ यात्रियों को मामूली सी चोटें आई हैं, बस को पुल से नीचे उतरने के लिए क्रेन बुलाई गई जिसको उतारने कई घंटे लग गए। इस दौरान हाइवे पर वाहनों की आवाजाही भी थम सी गई और लंबा जाम लग गया। धनौरा की सीओ अंजलि कटारिया ने बताया है कि यह हादसा हापुड़ जिले में हुआ है उन्होंने किसी यात्री के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना से इनकार किया है।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक बहजोई में की गई आयोजित

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला मुख्यालय के पास कैम्प कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की। इस दौरान उन्होंने सभी विधानसभा अध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी विधानसभाओं में जल्द से जल्द बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करें। साथ ही, क्षेत्रीय समस्याओं को जिला नेतृत्व तक पहुंचाने या स्वयं मौके पर जाकर उनका समाधान करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय विधायकों से मिलकर जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराया जाए। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने बैठक में कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) कार्यक्रम को सभी विधानसभाओं में निरंतर जारी रखा जाए, ताकि पार्टी को और मजबूती मिले। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेशों का हवाला देते हुए कहा कि पीडीए कार्यक्रम सभी जिलों की विधानसभाओं में मजबूती से संचालित हो रहा है। बैठक को चंदौसी विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी ने भी संबोधित किया। चंदौसी विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव ने बताया कि वे लगातार पीडीए बैठकों का आयोजन कर रहे हैं और बीएलए नियुक्त करने का कार्य तेजी से चल रहा है। बैठक में शारदा यादव, शोभित कुमार काका, ओमप्रकाश पजापति, सदाम कुरैशी, निसार अहमद, रोहिन सिंह यादव, एडवोकेट मा. अकिल साहब, संजय मदान, अनना सभासद, रिकु चौहन, राजेश चौहान, एडवोकेट जितेंद्र जाटव, मनोज शर्मा, रतनेश भारती, कमल शर्मा, अशोक गुप्ता, मुकेश यादव, अशोक राणा, एडवोकेट गुड्डू वकील साहब, पप्पू शर्मा, अवधेश यादव, होराम सिंह जाटव, नेता जी लाइक सिंह, रवेंद्र पाल, पंकज बाल्मीकि, आकाश शखधार, नानू साबिर खान, आसिफ इकबाल, वीरपाल यादव, भुरे यादव, शाहबाज, चेतन गुप्ता, सुनील कुमार, शेख सद्दन सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष का नूरपुर में जोरदार स्वागत

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की एक महत्वपूर्ण बैठक बिजनौर जनपद के नूरपुर क्षेत्र में किसान नेता चंद्रपाल सिंह के निवास स्थान, रिलायंस पेट्रोपम्प के सामने आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान शामिल हुए और अपने-अपने गांवों की समस्याओं को सामने रखा। बैठक में पहली बार पहुंचे भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान का किसानों ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। किसानों ने परंपरा के प्रतीक के रूप में उन्हें हल भेंट कर सम्मानित किया। बैठक के दौरान किसानों ने कई अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि बढ़ती डीजल-पेट्रोल की कीमतें, महंगे खाद-बीज, और फसल का उचित मूल्य न मिलना अब भी किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। इसके अलावा, किसानों ने छुट्टा पशुओं से हो रहे फसलों के नुकसान, जर्जर पड़े बिजली के तारों, सिंचाई की समस्या, बिजली बिलों में बढ़ोतरी, और फसल बीमा योजनाओं में हो रही अनियमितताओं पर भी नाराजगी जताई। इस दौरान जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान ने किसानों को भरोसा दिलाया कि यूनियन उनके हर मुद्दे को सरकार तक मजबूती से उठाएगी। उन्होंने कहा, ह्लभारतीय किसान यूनियन टिकैत किसानों के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी मजबूती से लड़ेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि, ह्लहम किसी भी गांव में स्मार्ट मीटर नहीं लगने देंगे। किसानों पर आर्थिक बोझ डालने वाली किसी भी नीति का विरोध किया जाएगा। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ किसान नेताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए रणनीति तैयार की तथा गांव-गांव जाकर किसानों को यूनियन से जोड़ने का संकल्प लिया। अंत में, किसानों ने एक स्वर में कहा कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता, वे शांत नहीं बैठेंगे और जरूरत पड़ने पर बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा।

आरएसएस का विजयदशमी उत्सव: पथ संचलन और शस्त्र पूजन का आयोजन

बहजोई/ संभल (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा विजयदशमी के अवसर पर रविवार को बहजोई नगर की केशव बस्ती और दयानंद बस्ती में शस्त्र पूजन और भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासित पंक्तियों में देशभक्ति गीतों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से निकले। नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। संघ की शताब्दी वर्ष यात्रा के तहत एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें संघ के 100 वर्षों के सेवा कार्यों और सामाजिक जागरण को दर्शाया गया। केशव बस्ती में वार्ष्णेय इंटर कॉलेज से कार्यक्रम शुरू हुआ, जहां जिला संचालक अनिल शास्त्री ने कहा कि विजयदशमी समाज में समरसता, स्वावलंबन और नैतिकता स्थापित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने पंच परिवर्तन सूत्रों पर बल दिया। दयानंद बस्ती में भगवंतपुर देवी मंदिर से संचलन शुरू हुआ। जिला प्रचारक दीपक कुमार ने कहा कि संघ की शताब्दी यात्रा संस्कार, सेवा और समरसता की यात्रा है। दोनों आयोजनों में ध्वजारोहण, अमृत वचन और गीत गायन हुआ। कार्यक्रम में अनिल शास्त्री, सम्भव जैन, राजीव लोचन, अवनेश कुमार सर्राफ सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

युवा राष्ट्रीय लोकदल की बैठक का किया गया आयोजन

नौगावा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- विधानसभा नौगावा सादात के ग्राम मोहनपुर शुमाली में रविवार को युवा राष्ट्रीय लोकदल की एक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान असलम सैफी ने की तथा संचालन शाने आलम द्वारा किया गया। बैठक के दौरान शाने आलम को युवा राष्ट्रीय लोकदल, जनपद अमरोहा का जिला महासचिव मनोनीत किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष एवं दर्जा राज्य मंत्री आदरणीय मनबीर सिंह चिकारा तथा युवा रालोद जिलाध्यक्ष इरकान अलीमुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मनबीर सिंह चिकारा ने अपने संबोधन में कहा कि युवा राष्ट्रीय लोकदल आज वह ताकत है, जो किसानों, मजदूरों और नौजवानों की उम्मीदों का प्रतीक बन चुकी है। हमें चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में एकजुट होकर गांव-गांव संगठन को मजबूत बनाना है। शाने आलम जैसे ऊजार्वान युवाओं की नियुक्ति से संगठन को नई दिशा मिलेगी। इसके पश्चात इरकान अली ने कहा कि रालोद आज किसानों, नौजवानों और मजदूरों की सच्ची आवाज बन चुका है। जनपद अमरोहा का हर कार्यकर्ता 12 अक्टूबर को रजबपुर में इतिहास रचेगा। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अपील की कि वे दिनांक 12 अक्टूबर 2025, प्रातः 11 बजे, नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज, रजबपुर (अमरोहा) में होने वाली केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय चौधरी जयंत सिंह की ऐतिहासिक जनसभा में भारी संख्या में पहुँचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। साथ ही इरकान अली ने नमन चिकारा के पक्ष में जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में जनता से वोट देने की अपील की। कार्यक्रम में कमर आलम प्रधान शकील अहमद अनवर अली छोटे खाँ और शमसुद्दीन मलिक रिफाकत हुसैन याकूब अली राजपाल यादव अरविंद यादव सहित क्षेत्र के अनेको व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमूह ने जयंत चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

पति पत्नी के आपसी विवादों को सुलह समझौता केंद्र के माध्यम से सुलझाया

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के के बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग सेल प्रभारी डाक्टर रूकम पाल सिंह व उपनिरीक्षक महेश गंगवार की देखरेख में पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में संपन्न हुई। जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरो द्वारा किया गया जहां कुल 121 पत्रावली सुनकर 10 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तो वहीं 5 परिवारों को मिलाया गया तथा 5 पत्रावली न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट पूनम अरोरा श्वेता गुप्ता बबीता शर्मा सीमा आर्य कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

अग्रसेन महाराज जयंती महोत्सव में सम्मान और संस्कार की झलक, अग्रवाल समाज ने मनाया भव्य उत्सव

अमरोहा (सब का सपना):- अग्रसेन महाराज की 5149वीं जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज अमरोहा द्वारा भव्य अग्रसेन जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज की एकता, संस्कृति और सेवा भावना का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अग्रबंधु, मातृशक्ति और बालशक्ति ने भाग लेकर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। महोत्सव के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों का सम्मान किया गया। नवयुगल दंपति सम्मान, प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान तथा शोभायात्रा में भाग लेने वाले अग्रवंशी बाल शक्तियों को अग्रवाल समाज अमरोहा द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त वृद्ध दंपति सम्मान कुंवर वंश अग्रवाल पुत्र कुंवर विनीत अग्रवाल द्वारा श्री मोहन चंद ट्रस्ट की ओर से किया गया। फैंसी ड्रेस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को मंच से पुरस्कृत किया गया, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुरादाबाद शहर विधायक रितेश गुप्ता जी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ह्लमहाराजा अग्रसेन जी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने अपने राज्य में बसने वाले नागरिकों को आर्थिक और सामाजिक दर्जा देने के लिए ह्यएक रुपया और एक ईंटह्ल का जो चलन शुरू किया था, वह अत्यंत दूरदर्शी कदम था। आज भी उनका यह विचार सामाजिक समानता और सहयोग का मजबूत उदाहरण है। अग्रसेन जी के इसी उदारवादी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर अग्रवाल समाज आज भी समाज के हर वर्ग के हित में दान और सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।ह्ल विशिष्ट अतिथि दीपक बाबू गोयल (सीए) कोषाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, मुरादाबाद ने कहा कि ह्लअग्रसेन जी के सिद्धांत आज भी आधुनिक समाज में समानता और सहयोग की भावना को जीवित रखते हैं।ह्ल विशेष सम्मान के रूप में राहुल अग्रवाल, ब्लू वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल धनौरा, और सुनील अग्रवाल, मुरादाबाद, को सम्मानित किया गया। दोनों अतिथियों ने अग्रवाल समाज की सामाजिक एकता और सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ह्लअग्रवाल समाज अपने संस्कार और परंपराओं से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।ह्ल कार्यक्रम के सफल आयोजन में अग्रवाल समाज अमरोहा के संरक्षक शंभू दयाल अग्रवाल, अध्यक्ष विशाल गर्ग, महामंत्री आकाश गोयल और कोषाध्यक्ष अचल अग्रवाल की प्रमुख भूमिका रही। अध्यक्ष विशाल गर्ग ने कहा, ह्लमहाराजा अग्रसेन जी के आदर्श आज भी हमारे समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। अग्रसेन जी ने हमें सिखाया कि समाज में समानता, सेवा और सहयोग ही सच्चा धर्म है। अग्रवाल समाज अमरोहा इन्हीं सिद्धांतों पर चलकर समाज के हर वर्ग की सेवा करता रहेगा।ह्ल संरक्षक शंभू दयाल अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा, ह्लमहाराजा अग्रसेन जी का जीवन नीति, न्याय और मानवता की मिसाल है। उनके ह्यएक रूपया, एक ईंट के सिद्धांत ने समाज में सहयोग और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रखी। आज हमें भी उनके आदर्शों को अपनाकर समाज के हर व्यक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। अग्रसेन जयंती महोत्सव ने समाज की एकता, संस्कार और सामूहिक सहयोग की ऐसी मिसाल पेश की, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस अवसर पर संरक्षक शंभू दयाल अग्रवाल, अध्यक्ष विशाल गर्ग, महामंत्री आकाश गोयल, कोषाध्यक्ष अचल अग्रवाल, वरिष्ठ कार्यक्रम संयोजक डॉ. सरल राघव, संयोजक अनिल रायपुरिया, विवेक अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, संजय कुमार अग्रवाल, अतुल गुप्ता, दीपक बंसल, मनु कमल गुप्ता, मनुज प्रकाश गोयल, संजीव गोयल आदि उपस्थित रहे।

नव संचालित प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र बी0पैक्स गजरौला का हुआ शुभारम्भ

अमरोहा (सब का सपना):- नव संचालित प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र बी०पैक्स गजरौला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कंवर सिंह तंवर, सांसद अमरोहा द्वारा अपने कर कमलों से किया गया। उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव तरारा विधायक धनौरा विधान सभा क्षेत्र, आयुक्त, मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद आंजनेय कुमार सिंह, जिलाधिकारी अमरोहा निधि गुप्ता वत्स , मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला सहकारी बैंक के चैयरमैन, उप आयुक्त, उप निबन्धक सहकारिता मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता अमरोहा एवं चीफ ट्रस्टी, सूर्यदेव लक्ष्मी मेमोरियल, वैरिटैबिल ट्रस्ट, लखनऊ से अल्का सिंह उपस्थित हुए। सहकारिता विभाग की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए अपने अभिभाषणों से स्थानीय कृषकों / आमजन को सम्बोधित किया गया। मुख्यतः कार्यक्रम में उपस्थित होकर सांसद द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत नवीन संचालित केन्द बी०पैक्स गजरौला का शुभारम्भ फीता काटकर किया गया तथा उनके द्वारा कृषकों को प्रधान मंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र बी०पैक्स गजरौला पर उपलब्ध कम मूल्य एवं गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां एवं न्यूट्रिस्यूटिकल उत्पाद खरीदनें हेतु प्रेरित किया गया। राजीव तरारा , विधायक विधान सभा क्षेत्र धनौरा द्वारा अपने अभिभाषण में उल्लेख किया गया कि सहकारिता

विभाग की कमान केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के हाथों में आने पर सहकारिता क्षेत्र में बहुत अमूल्य कार्य किये गये है तथा विभाग की पहचान देश में उच्च स्तर पर हुई है। वर्तमान समय में सहकारिता क्षेत्र में बहुत सुधार हुआ है तथा आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति का सहकारी समिति के प्रति विश्वास बढ़ा है तथा प्रत्येक व्यक्ति विभाग से जुड़कर विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। आयुक्त, मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद आंजनेय कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता विभाग एक व्यक्ति विशेष का विभाग नहीं है बल्कि व्यक्तियों के समूह का एक विभाग है। सहकारिता क्षेत्र विस्तृत रूप में अलग-अलग कार्य कर अपनी पहचान बना रहा है। सहकारी समितियां स्थानीय कृषकों को कम ब्याज दर पर कृषि ऋण की सुविधा उपलब्ध कराता है। आयुक्त द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित किया गया कि वह कार्निशल बैंक से ऋण न लेकर अपने नजदीकी जिला सहकारी बैंक से ऋण लें ताकि कृषक कम ब्याज पर ऋण अदायगी कर अर्थिक रूप से सुदृढ़ होगा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि सहकारिता विभाग व्यक्तियों के समूह का एक विभाग है। सहकारिता क्षेत्र विस्तृत रूप में अलग-अलग कार्य कर अपनी पहचान बना रहा है। सहकारी समितियां किसानों को कम ब्याज दर पर कृषि ऋण की सुविधा उपलब्ध कराता है। अतिरिक्त कार्यक्रम में उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा अपने-अपने अभिभाषणों से कार्यकम में उपस्थित व्यक्तियों को सहकारिता विभाग की योजनाओं का संक्षिप्त विवरण बताया गया तथा कार्यक्रम संयोजक वरूण अग्रवाल, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता अमरोहा द्वारा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त करते हुए स-धन्यवाद कार्यक्रम का समापन कराया गया। कार्यक्रम का संचालन रेखा अग्रवाल द्वारा किया गया।

दिल्ली हाई कोर्ट का अहम फैसला, GST में कमी के बाद कीमतों में कमी न करना धोखाधड़ी के समान

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में हाल में किए गए भारी बदलाव के बीच दिल्ली हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। एक याचिका पर अदालत ने निर्णय सुनाया कि जीएसटी की दरें जब कम की जाती हैं, तो उपभोक्ताओं को कीमतों में प्रत्यक्ष गिरावट दिखनी चाहिए न कि उत्पादों में सूक्ष्म बदलाव करके उन्हें ठगा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति शैल जैन की पीठ ने निर्णय में स्पष्ट किया कि कीमतों में बदलाव किए बगैर केवल मात्रा बढ़ाने या प्रमोशनल स्कीम चलाने से टैक्स कटौती का वास्तविक लाभ नहीं मिलता। हाई कोर्ट का यह फैसला जीएसटी परिषद द्वारा 22 सितंबर 2025 से प्रभावी नए कर ढांचे में बड़े बदलाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। इसमें बहु-स्लैब प्रणाली से मुख्य रूप से दो दरों पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत किया गया है, जबकि विलासिता वस्तुओं के लिए 40 प्रतितश की दर शामिल है। हालांकि, वर्तमान मामला जीएसटी दरों में पहले की गई कमी से संबंधित है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी दरों को कम करने का उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं को खरीदारों के लिए अधिक किफायती बनाना है। इस तरह की प्रथाएं कटौती के उद्देश्य को विफल करती हैं और धोखाधड़ी के समान हैं। अदालत ने उक्त टिप्पणी व निर्णय मेसर्स हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के वितरक के रूप में माल की बिक्री के व्यवसाय में लगी मेसर्स शर्मा ट्रेडिंग कंपनी द्वारा दायर एक याचिका पर दिया।

दिल्ली के वजीराबाद में अचानक सड़क धंसी, भारी वाहनों के लिए रूट डायवर्ट

पूर्वी दिल्ली। वजीराबाद रोड पर गोकलपुरी में दिल्ली जल बोर्ड की पानी की पाइपलाइन लीकेज होने से पीडब्ल्यूडी की सड़क धंस गई। शनिवार को सड़क करीब छह फीट तक धंस गई। गड्ढे को बैरिकेड से कवर किया गया। रास्ता संकरा हो जाने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार को पीडब्ल्यूडी ने मरम्मत कर गड्ढे को भर दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से सड़क नीचे बैठ रही थी। शनिवार शाम को सड़क धंस गई। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस व पीडब्ल्यूडी को दी। रात तक सड़क करीब छह फीट तक धंस गई। पुलिस ने भारी वाहनों का आवागमन बंद किया। भारी वाहनों को गोकलपुरी फ्लाईओवर से डायवर्ट कर दिया। पीडब्ल्यूडी ने बताया कि जिस जगह सड़क धंसी वहां से जल बोर्ड की पाइपलाइन गुजर रही है। उस लाइन में लीकेज था, पानी सड़क के बाहर नहीं आ रहा था। इस बार वर्षा भी काफी हुई है, जिस कारण सड़क धंस गई। लीकेज को ठीक करके रविवार दोपहर को गड्ढा भर दिया गया है। कुछ दिनों में ऊपर सड़क बना दी जाएगी।

कल्कि महोत्सव,विकासोत्सव 2025 आज से शुरू

जिलाधिकारी ने महोत्सव को सफल बनाने के दिए निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में आज से 13 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सम्भल कल्कि महोत्सव,विकासोत्सव की तैयारियों हेतु समीक्षा बैठक रविवार को हुई। बैठक में विभागीय व सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्टाल आवंटन, स्वागत, पार्किंग, सफाई, पेयजल और वीवीआईपी व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। महोत्सव का शुभारंभ आज सायं 6 बजे सांस्कृतिक संध्या के साथ होगा, जिसमें मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी, प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति और मण्डलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह होंगे। प्रातः 9:30 से 11:30 बजे तक माध्यमिक शिक्षा में बदलता उत्तर प्रदेशः प्रोजेक्ट अलंकार और अपराह्न 2 से 3:30 बजे मत्स्य सम्मेलन होगा, जिसमें मत्स्य मंत्री संजय कुमार निषाद मुख्य अतिथि होंगे। जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने बड़ा मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी को महोत्सव को भव्य और सफल बनाने के लिए के निर्देश दिए।

राम भरत का हुआ सुंदर मिलाप, निकाली शोभायात्रा

चंदौसी/सम्भल। सब का सपनाः- श्री बारहसैनी रामलीला एवं रामबाग ट्रस्ट चंदौसी के तत्वाधान में श्री राम भरत मिलाप की शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा ने बारहसैनी धर्मशाला कैथल गेट से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण किया और शिव सहाय बाजार स्थित मिश्रीलाल सुखलाल के प्रतिष्ठान पर समापन हुआ। शोभायात्रा में प्रभु श्री राम, लक्ष्मण ,जानकी सहित हनुमान जी सिंहासन पर विराजमान थे। और

बाजार शिव सहाय में भरत जी और शत्रुघ्न जी ने उनका अभिनंदन किया। भाई राम और भरत के मिलन को देखकर श्रद्धालुओं की आंखों में आंसू आ गए। उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रभु श्री राम और उनके परिवार की आरती उतार कर स्वागत किया। भजन कीर्तन के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ कार्यक्रम में प्रधान अशोक कुमार फैंसी, अमित के एस, गौरव अडऋ,पवन कुमार भट्टे वाले ,राकेश चंद्र आर्य, बृजेश जय हो, हिमांशुल वार्ष्णेय, मनोज कुमार, रमेश चंद्र, सुभाष चंद्र, सतीश चंद्र, प्रदीप वार्ष्णेय ,समीर वार्ष्णेय,भूपेश वार्ष्णेय, प्रशांत वार्ष्णेय और गिरिराज किशोर भट्टे वाले आदि उपस्थित रहे।

चंदेश्वर शर्मा परवाना की कृति मेला का हुआ विमोचन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के साखोपार में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति, जनपद इकाई द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में राहुल सांकृत्यान सम्मान प्राप्त कविवर चंदेश्वर शर्मा परवाना की कृति मेला का विमोचन अतिथियों ने किया। रविवार को आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए बीओसीडब्लयू बोर्ड सदस्य उप्र सरकार अभय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि भोजपुरी कवि परवाना ने अपनी रचनाओं के माध्यम से कुशीनगर का मान देश विदेश में बढ़ाया है। इस तरह का आयोजन उदीयमान प्रतिभाओं को मंच देता है और उनकी प्रतिभा निखरती है। रचनाकार का सम्मान साहित्य सृजन के लिए प्रेरित करता है। इसलिए हमें कवियों की रचनाओं

को पढ़ना चाहिए। प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि कवि परवाना ने भोजपुरी भाषा का संग्रह देकर पूरे समाज को गौरवान्वित किया है। किसान नेता गोबर्द्धन प्रसाद गोंड कहा कि रचना काफी कठिन काम है। सृजन का कार्य कर परवाना ने युवा रचनाकारों को प्रोत्साहित किया है। कवि दिनेश कुमार तिवारी भोजपुरिया ने मेला की समीक्षा करते हुए पुस्तक को गंवई परिवेश की उत्कृष्ट रचना बताया। दिनेश कुमार पाण्डेय डीके ने अपने संबोधन में कवि परवाना की रचनाओं को भोजपुरी लोक साहित्य की धरोहर बताया। कवि परवाना ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोक समृद्धि के लिए कवि एवं पत्रकार कार्य करें। गद्य लिखें, पद्य लिखें, नाटक लिखें और साहित्य मेला लगवाएं। कवि जनार्दन जी, अश्वनी द्विवेदी, आकाश महेशपुर, राम नरेश शर्मा, विश्व भोजपुरी मंच के जिलाध्यक्ष आरके भट्ट बावरा, डॉ अवधेश नन्द ने अपनी रचनाएं पढ़ी। अतिथियों का स्वागत अभा पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह, विनय कुमार उपाध्याय, दिनेश कुमार ओझा, विनोद तिवारी, ग्राम प्रधान शैलेश प्रताप नारायण सिंह, जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा, असफाक अंसारी, विजय राव, आदित्य कुमार दीक्षित, संदीप मिश्रा, एहतेशाम मिंटू लारी, एड कुशल प्रताप सिंह, मस्तराज शर्मा, मुन्ना राय आदि ने श्री परवाना का माल्यार्पण किया और अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। काव्यात्मक संचालन डॉ घनश्याम तिवारी ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत रक्षा वाहिनी एसपी सिंह, चन्द्र भूषण पाण्डेय, संजय सिंह, आफताब आलम, मंतोष जायसवाल, दया शंकर सिंह, फेकू सिंह, ब्रह्मा सिंह, आशुतोष शर्मा सहित साहित्य मर्मज्ञ मौजूद रहे।

स्पेशल सेल के मालखाने में करोड़ों की चोरी मामले में चार्ज शीट दाखिल, हेड कॉन्स्टेबल ने उड़ाए थे कैश-जेवरात

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की लोधी कॉलोनी स्थित स्पेशल सेल के मालखाने में करोड़ों रुपये की नकदी और ज्वेलरी की चोरी के मामले में पुलिस ने हेड कॉन्स्टेबल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच में सामने आया कि चोरी के पीछे हेड कॉन्स्टेबल खुर्शीद का हाथ था, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। खुर्शीद को हाल ही में स्पेशल सेल से स्थानांतरित कर पूर्वी जिला भेजा गया था। पुलिस के अनुसार, खुर्शीद के कब्जे से करीब 50 लाख नकद और दो करोड़ से अधिक की कीमत के गहने बरामद किए गए हैं। यह चोरी 31 मई की तड़के स्पेशल सेल के मालखाने (स्टोर) से हुई थी, जहां जब्त की गई नकदी, सोना, हथियार और नशीले पदार्थ रखे जाते हैं। जांच में पता चला कि खुर्शीद ने इस वारदात की बारीकी से योजना बनाई थी। मालखाने में पूर्व तैनाती के दौरान उसने स्टोर रूम के ताले की डुप्लीकेट चाबी बनवा ली थी। इसी चाबी की मदद से उसने रात में बिना किसी की नजर में आए चोरी को अंजाम दिया। उसकी पुलिसकर्मियों से जान-पहचान होने के कारण किसी ने उस पर शक नहीं किया। सीसीटीवी फुटेज में खुर्शीद को रात करीब दो बजे एंट्री बुक में हेरफेर करते हुए देखा गया। उसने पहचान छिपाने के लिए हेलमेट और मास्क पहन रखा था, लेकिन साथियों ने उसकी बाडी लैंग्वेज से पहचान कर ली। स्पेशल सेल ने उसके फोन को सर्विलांस पर रखकर इंदिरापुरम स्थित घर पर छापा मारा। तलाशी में चोरी का माल उसकी कार से बरामद हुआ। सूत्रों के अनुसार, यह पहली बार नहीं था जब मालखाने से चोरी हुई हो। पुलिस अब तीन पुराने मामलों की भी जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकदी और बरामद वस्तुओं के रिकॉर्ड नियमित रूप से अपडेट किए जा रहे थे या नहीं। पर्यवेक्षी अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होगी और जिम्मेदारी तय की जाएगी।

दिल्ली में दिनदहाड़े लूट करने वाले दो नाबालिग समेत चार गिरफ्तार, पिस्तौलनुमा लाइटर दिखाकर कारोबारी को बनाया था बंधक

पूर्वी दिल्ली। जाफराबाद इलाके में नकाबपोश बदमाशों ने पिस्तौलनुमा लाइटर दिखाकर मनी ट्रांसफर कारोबारी को दुकान में बंधक बनाकर लूटपाट कर ली। पीड़ित मोहम्मद रईस से 80 हजार रुपये लूटकर बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों बाद दो नाबालिग समेत चार आरोपितों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपितों में चौहान बांगर निवासी हारिस (19), सुहेल उर्फ भूरा (21) और 15 और 17 वर्षीय दो नाबालिगों के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से पिस्तौलनुमा लाइटर, चार चाकू, लूटी गई रकम से 33 हजार रुपये व वारदात में उपयोग की गई स्कूटी बरामद की है। पीड़ित मोहम्मद रईस परिवार के साथ सुंदर नगरी में रहते हैं। चौहान बांगर में इनका मनी ट्रांसफर का कारोबार है। उनके ताबिक, शुक्रवार शाम करीब 6.21 बजे इनकी दुकान में तीन नकाबपोश बदमाश दाखिल हुए, एक बाहर खड़ा रहा। बदमाशों ने हथियार के बल पर उनको बंधक बना लिया। इसके बाद गल्ले में रखे करीब 80 हजार रुपये व दो मोबाइल फोन लूटकर बदमाश स्कूटी पर फरार हो गए। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि पुलिस को करीब 6:40 बजे वारदात की सूचना मिली थी, कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। पीड़ित का बयान लेकर तत्काल मामला दर्ज किया गया। फिर थाना पुलिस के साथ जिले के स्पेशल स्टाफ को जांच में लगाया गया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज गालने पर पुलिस को वारदात स्थल के आसपास एक स्कूटी दिखाई दी। उस पर दो नकाबपोश सवार थे। उसका नंबर स्पष्ट दिखाई दे रहा था। उसके आधार पर पुलिस ने वारदात के कुछ घंटों बाद चारों आरोपितों को दबोच लिया। उनसे 33 हजार रुपये बरामद हुए हैं, बाकी रकम आरोपितों ने खर्च कर दी। इनसे पिस्तौल की तरफ दिखने वाला लाइटर बरामद हुआ है। इसके बल पर ही इन्होंने लूटपाट की थी। इसके साथ ही इनके पास से चाकू भी मिले हैं। पूछताछ में सामने आया कि रईस की दुकान में हर समय नकदी रखे होने की जानकारी आरोपितों को थी। इसी वजह से इन लोगों ने लूटपाट की योजना बनाई।

गजरौला में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने किया पथ संचलन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- औद्योगिक नगरी में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पथ संचलन किया गया जिसमें नगर पालिका अध्यक्षा राजेन्द्री उर्फ उमा देवी एवं विपिन सागर ने बुलडोजर पर चढ़कर पथ संचलन में शामिल लोगों पर फूल बरसाए। साथ ही मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी बड़ी संख्या में एकत्र होकर पथ संचलन में शामिल लोगों पर पुष्पों की वर्षा की और हिंदू मुस्लिम एकता और भाईचारे की मिसाल कायम की। बता दें कि रविवार को आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन को नगर के बस्ती स्थित अवंतिका पार्क से प्रारंभ कराया गया, जिसको नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए आजाद नगर मार्ग ,रेलवे स्टेशन, खाद गुर्जर चौराहा ,रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे , चौपला चौराहे और हसनपुर मार्ग सहित विभिन्न स्थानों से निकाला गया। इस दौरान पद संचलन में शामिल लोगों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने फूलों की वर्षा कर हिंदू मुस्लिम एकता और भाईचारे की मिसाल पेश की जिन्होंने नगर के इंद्र चौक पर एकजुट होकर पद संचलन पर फूलों की वर्षा की और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। इसी कड़ी में नगर पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी और युवा नेता विपिन सागर ने भी बुलडोजर पर चढ़कर कार्यकताओं पर फूल बरसाए इस दौरान भारत माता की जयकारे भी नगर में गूंजते दिखाई दिए। इस आयोजन में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह चौधरी, सरदार पुष्पेंद्र सिंह, कमल अग्रवाल, प्रमोद कुमार ,संजय गौड़ ,विपिन सागर और नवीन गर्ग सहित काफी लोग मौजूद रहे।

श्री नारायण सेवा समिति चन्दौसी द्वारा लंकाकाण्ड ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- श्री नारायण सेवा समिति चन्दौसी द्वारा श्रीराम चरितमानस की 'लंकाकाण्ड ज्ञान प्रतियोगिता' रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर हनुमानगढ़ी पर आयोजित की गई। जिसमें नगर क्षेत्र के अनेकों विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में 172 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया जिसमे से 156 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया और 16 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे । प्रतियोगिता में चंदौसी इंटर कॉलेज, रेलवे मिश्रित जूनियर हाई स्कूल, बाबूराम सरस्वती इंटर कॉलेज, लाल गणेशीलाल हायर सेकेंडरी स्कूल, नवोदय विद्या मंदिर, ए.एम. वर्ल्ड स्कूल, लाला सोहनलाल सरस्वती शिशु मंदिर, चंदौसी बाल विद्या मंदिर, एफ. आर. इंटर कॉलेज, सरस्वती शिशु मंदिर, हनुमानगढ़ी, ओपीजीएम स्कूल, बीएमजी इंटर कॉलेज, सिल्वरस्टोन पब्लिक स्कूल, न्यू सत्यम् एकेडमी तथा एसएम इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रश्नपत्र बहुविकल्पीय परीक्षा पद्धति एवम्

तार्किक शक्ति व प्रतिस्पर्धात्मक बौद्धिक परीक्षण पर आधारित था। धर्म व आस्था के बुद्धि परीक्षण के अद्भुत संयोग से बच्चे प्रसन्न मुद्रा में प्रश्नों के उत्तर लिख रहे थे । डॉ. डी.के. अग्निहोत्री, विपिन कुमार बालाजी, के. जी. गुप्ता, चौधरी जगदीश चंद्र आदि ने निरीक्षण; हरीश कठेरिया और सुभाष चंद्र भोलेनाथ ने सर्वव्यवस्था; आयोजक कृष्ण गोपाल मंगलम ने प्रश्न पत्र संग्रहण ; दृगपालसिंह व विपिन गुप्ता ने उत्तर पत्र एकत्रीकरण; डॉ. टी. एस. पाल व सूर्यजीत सिंह एड. ने केंद्र पर्यवेक्षण, डॉ. जयशंकर दुबे ने विशेष व्यवस्था की । कार्यक्रम के संयोजक हरीश कठेरिया एडवोकेट तथा आयोजक कृष्ण गोपाल मंगलम् रहे।

गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित कई शहरों में बनेंगे सेफ्टी आइलैंड, इससे क्या होंगे फायदे और क्या है उद्देश्य?

हरियाणा पुलिस ने महिला और जन सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरों में सेफ्टी आइलैंड स्थापित करने का निर्णय लिया है। गुरुग्राम में 70 स्थानों पर वीडियो कैमरे और एसओएस पॉइंट स्थापित किए जाएंगे जो वॉइस और वीडियो कॉल की सुविधा देंगे।

चंडीगढ़/नई दिल्ली। महिला और जनसुरक्षा को और भी मजबूत करने के लिए हरियाणा पुलिस ने गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित कई शहरों में बनेंगे सेफ्टी आइलैंड बनाने का निर्णय लिया है। योजना की शुरूआत गुरुग्राम से होने जा रही है। इसके बाद फरीदाबाद तथा प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों में यह सुविधा उपलब्ध कराई जानी है। फिलहाल गुरुग्राम में सत्तर प्रमुख जगहों पर वीडियो बेस कैमरे इमरजेंसी (एसओएस) प्वाइंट स्थापित होंगे। एसओएस में वाइस काल के साथ वीडियो काल की भी सुविधा होगी। बातचीत काल करने वाले व्यक्ति तथा पुलिस कंट्रोल रूम में काल रिसीव करने वाले जिम्मेदार पुलिस अधिकारी के बीच ही होगी। शिकायत आते ही उस क्षेत्र में खड़ी पुलिस पीसीआर को तुरंत मौके पर भेजा जाएगा। महिला सुरक्षा को अधिक ध्यान में रखते हुए एसओएस सुविधा किसी झगड़े के समय आरोपित को पकड़ने के साथ-साथ सार्वजनिक सूचना भी प्रसारित की जा सकती है। महिला सुरक्षा को अधिक ध्यान में रखते हुए एसओएस सुविधा किसी झगड़े के समय आरोपित को पकड़ने के साथ-साथ सार्वजनिक सूचना भी प्रसारित की जा सकती है। एसओएस में लगे कैमरों की रिकार्डिंग भी पुलिस के पास मौजूद रहेगी। एसओएस में लगे कैमरों की रिकार्डिंग भी पुलिस के पास मौजूद रहेगी। एसओएस मशीन कहां पर लगी हुई इसके लिए सूचना भी लगेगी। इसके लिए एक विशेष बूथ भी बनेगा। पुलिस अधिकारी का कहना है कि शिकायत के अलावा किसी भी व्यक्ति या महिला को अगर पुलिस से जुड़ी कोई जानकारी तत्काल लेनी है तो वह भी कर सकता है। यहां पर होगी सुविधा एसओएस बूथ साइबर सिटी, मेट्रो स्टेशन, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, एमजी रोड, गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, सुभाष चौक , इफको चौक पर बनेंगे। इसके अलावा, सिग्नेचर चौक, राजीव चौक, होंडा चौक, शीतला माता मंदिर सहित शहर के सभी माल सहित 70 जगहों को चिन्हित कर बूथ स्थापित करेंगे। इसके अलावा उन जगहों पर भी बूथ होंगे जहां पर काफी संख्या में लोग एकत्र होते हैं। एसओएस की बटन दबाते ही काल पुलिस कंट्रोल रूम को जाएगी। स्पीकर पर टू-वे (काल रिसीवर तथा कालर के मध्य की बातचीत) सुविधा होगी।

फरीदाबाद के निवासी अब ले सकेंगे फ्री जिम और सैर सपाटा का आनंद, इन चार जगहों पर बनेंगे पार्क

फरीदाबाद। नगर निगम न केवल शहर में डंपिंग यार्ड खत्म कर रहा है, बल्कि उनकी जगह पार्क बनाने की भी तैयारी कर रहा है, ताकि साफ किए गए क्षेत्रों में दोबारा कूड़ा न डाला जाए। बल्लभगढ़ और एनआईटी में ऐसी चार जगहों की पहचान की गई है। चारों जगहों के लिए निगम की ओर से टेंडर जारी कर दिए गए हैं। दिवाली के बाद पार्क तैयार करने का काम शुरू हो जाएगा। इन पार्कों में ओपन जिम और फुटपाथ ट्रैक भी बनाए जाएंगे। निगम का मानना है कि डंपिंग यार्ड खत्म होने से शहर में स्वच्छता अभियान का असर दिखना शुरू हो जाएगा। वार्ड 42 में मिल्क प्लांट रोड पर डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से एक एकड़ में पार्क बनाया जाएगा। फिलहाल इस जगह पर डंपिंग यार्ड मौजूद है, जहां आसपास की कॉलोनियों के लोग अपना कूड़ा डालते हैं। वार्ड पार्षद और निगम कर्मचारी जागरूकता बढ़ाने के लिए घर-घर जाकर सर्वे कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद लोग समझने को तैयार नहीं हैं। हाल ही में निगम की टीम ने डंपिंग यार्ड का निरीक्षण किया और कूड़ा साफ करने का काम शुरू हो गया है। वार्ड 43 में ढाई करोड़ रुपये की लागत से दो एकड़ में एक पार्क विकसित किया जाएगा। यह इलाका भी पूरी तरह से कूड़े से घिरा हुआ है। निगम ने बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दोनों पार्कों के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। निगम इन पार्कों में बैडमिंटन और वॉलीबॉल कोर्ट भी बनवाएगा। एनआईटी में बनेंगे दो पार्क नाले के पास स्थित संजय कॉलोनी में एक करोड़ रुपये की लागत से एक पार्क बनाया जाएगा। लगभग डेढ़ एकड़ में फैले इस पार्क में फुटपाथ और एक ओपन जिम भी होगा। वर्तमान में नगर निगम की इस खाली पड़ी जमीन पर रविवार को बाजार लगता है। इसके अलावा, संजय कॉलोनी में गली नंबर 50 के पास एक एकड़ में एक पार्क के लिए भी टेंडर जारी कर दिया गया है। वर्तमान में संजय कॉलोनी के निवासियों के लिए कोई पार्क नहीं है। इस पार्क का निर्माण लगभग 50 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा।

गुरुग्राम में खेलते-खेलते बालकनी से गिरे 8 साल के बच्चे की मौत, परिवार में मच गया कोहराम

गुरुग्राम। सेक्टर 37 थाना क्षेत्र के खांडसा गांव में छोटे भाई के साथ खेलते-खेलते आठ साल का बच्चा बालकनी की ग्रिल पर चढ़ गया। इस दौरान अनियंत्रित होने से वह दूसरी मंजिल से नीचे सड़क पर जा गिरा। हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को रविवार को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंपकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मूलतः उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के सांगीपुर गांव के रहने वाले विजय अपने परिवार के साथ गुरुग्राम के खांडसा गांव में दूसरी मंजिल पर बने कमरे में किराये पर रहते हैं। वह यहां श्रमिक का काम करते हैं। उनके दो बेटे आठ साल और छह साल के हैं। पिता ने बताया कि शनिवार शाम वह घर पर ही थे। दोनों बच्चे बाहर बालकनी के पास खेल रहे थे। बड़ा बेटा आठ वर्षीय रौनक खेलते-खेलते बालकनी की ग्रिल पर चढ़ गया और बाहर की तरफ लटकने लगा। इसी दौरान वह अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरा। छोटे बेटे ने इसकी सूचना पिता को दी। दूसरी मंजिल से नीचे गिरने से रौनक लहूलुहान हो गया। परिवार के लोग उसे फौरन नजदीकी अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान रौनक ने दम तोड़ दिया। अस्पताल से इसकी जानकारी सेक्टर 37 पुलिस को दी गई। थाना पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। पिता ने बताया कि रौनक पहली कक्षा में पढ़ता था।

30 महीने में पुनर्विकसित होना था रेलवे स्टेशन, 25 महीने में पार्किंग भी नहीं हो पाई तैयार

फरीदाबाद। फरीदाबाद रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। स्टेशन का 30 महीने में पूरी तरह से पुनर्विकास होना था, लेकिन 25 महीने बाद भी स्टेशन पर पार्किंग की जगह नहीं बन पाई है। अधिकारियों को भी नहीं पता कि पूरा स्टेशन कब बनकर तैयार होगा। हालात को देखते हुए लगता है कि लोगों को अभी लंबा इंतजार करना पड़ेगा। स्टेशन पर यात्रियों के लिए पानी की भी उचित व्यवस्था नहीं है। पुनर्विकास के लिए पुराने परिसर को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएँ सतही तौर पर की गई हैं। 6 अगस्त, 2023 को अमृत भारत योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण का उद्घाटन किया। स्टेशन पर एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और विधायक मूलचंद शर्मा के साथ रेलवे के अधिकारी भी शामिल हुए। स्टेशन के पुनर्विकास पर ड्ड262 करोड़ (ड्ड262 करोड़) खर्च होने का अनुमान है। जीआरपी कार्यालय की जगह पर बन रही पार्किंग का काम पूरा होने में सिर्फ. पाँच महीने बाकी हैं, लेकिन अभी तक यह 80% भी पूरा नहीं हुआ है। यह इस बात का प्रमाण है कि रेलवे अधिकारी और बिल्डर इस परियोजना को पूरा करने के लिए कितनी तेजी से काम कर रहे हैं। विश्वस्तरीय होगा रेलवे स्टेशन, मिलेंगी ये सुविधाएं रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा। लगभग 350 दोपहिया वाहनों और 250 कारों के लिए मल्टी-लेवल पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। अधिकारियों के लिए वातानुकूलित कार्यालय और एस्केलेटर वाले नए फुट ओवरब्रिज भी बनाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन के दोनों ओर बनने वाली इमारतों में स्थानीय कला और संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट और खरीदारी के लिए जगहें शामिल हैं। यह स्टेशन एक स्मार्ट और हरित भवन होगा। नए स्टेशन को 40 वर्षों के भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। फरीदाबाद स्टेशन से 90 लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनें गुजरती हैं। ओल्ड फरीदाबाद औद्योगिक शहर का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है। यहाँ लगभग 90 लंबी और छोटी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें रुकती हैं। यहां से प्रतिदिन 15,000-20,000 यात्री दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मुंबई, अमृतसर, इंदौर आदि उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के लिए ट्रेनों में सवार होते हैं। त्योहारों के मौसम में स्टेशन पर भीड़भाड़ बढ़ जाती है। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर निर्माण कार्य शुरू हुआ था। हालाँकि, अधिकारियों की लेटलतीफी के कारण यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्टेशन से एस्केलेटर भी हटा दिया गया है, और बुजुर्गों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए सीढ़ियाँ चढ़ने में सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। ट्रेन लेट होने के कारण यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर ही इंतजार करना पड़ता है। प्रतीक्षालय के रूप में टिन शेड लगाए गए हैं, जिनमें एक बार में 50 लोग भी नहीं बैठ सकते।

कैथल में बिना परमिशन के पटाखे बेचनेवाले पर कार्रवाई, पुलिस ने दर्ज किया केस; दमकल विभाग ने की थी शिकायत

कैथल। बिना अनुमति दुकान पर पटाखे बेच रहे एक दुकानदार के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। दमकल विभाग कलायत के कर्मचारी बीरु की शिकायत पर गांव मटौर हाल निवासी कलायत राहुल के विरुद्ध कलायत थाना में केस दर्ज किया गया है। दुकानदार से करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत के पटाखे भी बरामद किए गए हैं। शिकायत में बताया कि चार अक्टूबर को दोपहर के समय सूचना मिली कि कैंची चौक कलायत स्थित गंगा बिशन करियाना स्टोर पर अवैध रूप से पटाखे बेचे जा रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम को साथ लेकर दुकान पर गए तो वहां राहुल मिला था। दुकान के एक कमरे में पटाखे रखे हुए थे। इनमें छोटे-बड़े पटाखे कुल 90 पैकेट, छोटी-बड़ी फुलझड़ी 87 डिब्बी, छोटे-बड़े चटर-पटर 138 डिब्बे, राकेट 20 डिब्बे, चकरी 19 पैकेट बरामद हुए इस बारे में दुकानदार राहुल कोई लाइसेंस नहीं दिखा पाया। बरामद किए गए पटाखे करीब 250 किलो थे और उनकी कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये थी। कलायत थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच एएसआइ कुलदीप को सौंप दी है। बता दें कि दीपावली पर्व को लेकर बाजार में कई दुकानों पर अवैध पटाखे बेचे जाते हैं। इसके अलावा जिले में पटाखे बनाने की फैक्ट्री भी हैं जो खेतों में चलाई जा रही हैं। हालांकि जिला प्रशासन की तरफ से सूचना मिलने के बाद अवैध दुकानों पर कार्रवाई की जाती है।

सीएम फ्लाइंग ने पिपली अनाज मंडी में की छापा मारी, एक आढ़ती को नापतोल विभाग का नोटिस

पिपली। मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम ने रविवार को पिपली की अनाज मंडी में छापामारी की। टीम ने मंडी में पहुंच नापतोल विभाग के साथ इलेक्ट्रानिक और मैनुअल कांटों की जांच की। इसके साथ ही धान की बोरियों में वजन की तुलाई भी देखी। टीम ने मंडी में तीन आढ़तियों के इलेक्ट्रानिक कांटों की जांच की। इनमें दो आढ़तियों के कांटे ठीक पाए गए हैं। एक आढ़ती का कांटा नापतोल विभाग से पास न मिलने पर उसे नोटिस थमाया गया है। मुख्यमंत्री उड़न दस्ते ने पिपली अनाज मंडी में छापा मारा। नापतोल विभाग के साथ मिलकर इलेक्ट्रॉनिक और मैनुअल कांटों की जांच की गई। तीन आढ़तियों के कांटों में से एक का कांटा प्रमाणित न होने पर नोटिस दिया गया। अनाज मंडियों में तोलाई की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। टीम ने कई बोरों का वजन भी जांचा जिसमें कुछ 38 किलोग्राम से अधिक पाए गए। गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से लगातार अनाज मंडियों में तोलाई को लेकर कई तरह की शिकायतें आ रही थी। इन्हीं की जांच के लिए रविवार को मुख्यमंत्री उड़न दस्ते और नापतोल विभाग की टीम ने पिपली अनाज मंडी छापामारी करने पहुंची थी। टीम ने एसआइ राजबीर और विभाग के एसडीओ कुलदीप सिंह की अगुआई में जांच की। उन्होंने मंडी में 20 से ज्यादा कट्टों के वजन की जांच की। इनमें कई कट्टों का वजन 38 किलोग्राम से अधिक मिला है।

पलवल में पराली जलाने पर भारी जुमार्ना, फसल अवशेष प्रबंधन पर किसानों को 1200 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन

पलवल। कृषि विभाग द्वारा होडल, हथीन, हसनपुर और पलवल खंडों के विभिन्न गांवों में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। इन जागरूकता अभियान के माध्यम से कर्मचारियों द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे बेलर मशीन, सुपर सीडर, मल्चर मशीन और चापर का उपयोग कर फसल अवशेषों का सही प्रबंधन करने के तरीके बताए जा रहे हैं। इन यंत्रों का प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण की गुणवत्ता बनी रहती है। 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पलवल के उपनिदेशक डॉ. बाबूलाल ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारी ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उन्हें पराली ने जलाने की अपेक्षा उसका प्रबंधन करने के लिए निरंतर जागरूक कर रहे हैं। कृषि अधिकारी कृषकों को जागरूक करते हुए बता रहे हैं कि जो किसान फसल अवशेष जलाते पाए गए उन पर पांच हजार से 30 हजार रुपये तक का जुमार्ना और एफआईआर दर्ज होगी। साथ ही, मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर रेड एंट्री भी दर्ज की जाएगी, जिससे किसान दो सीजन तक अपनी फसल एमएसपी पर नहीं बेच पाएगा। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष का प्रबंधन करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। फसल अवशेष प्रबंधन के लाभ बताए डॉ. बाबूलाल ने फसल अवशेष प्रबंधन के लाभ बताए। उन्होंने कहा कि इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, पोषक तत्वों का भंडार मजबूत होता है, जल धारण क्षमता बेहतर होती है, जैव विविधता बढ़ती है और पर्यावरण संतुलित रहता है। जागरूकता अभियान में संबंधित खंड के कृषि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पर्यावरण की सुरक्षा व खेतों की उर्वरता के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को अपनाएं।

चंडीगढ़ और पंचकूला से गुरुग्राम आना-जाना हुआ आसान, आठ नहीं छह घंटे में पहुंचेंगे, नए रूट से बचेंगे दो घंटे

नई दिल्ली। हरियाणा रोडवेज की बसों से चंडीगढ़ और पंचकूला से गुरुग्राम जाने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। अब उन्हें इन शहरों से आने-जाने में दिल्ली में लगने वाले ट्रैफिक जाम को नहीं झेलना पड़ेगा। लोग आठ से नौ घंटे में पहुंचने की बजाय केवल छह घंटे में गुरुग्राम पहुंच सकेंगे और गुरुग्राम से वापस चंडीगढ़ या पंचकूला आ सकेंगे। हरियाणा रोडवेज ने अपनी बसों को दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आइएसबीटी) से होकर चलाने की बजाय दिल्ली से सोनीपत को जोड़ने वाले अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) से चलाने का निर्णय लिया है। इस रूट से बसों को दिल्ली को पार करने से डेढ़ से दो घंटे का अतिरिक्त समय नहीं लगेगा। दिल्ली में जाम लगने की वजह से रोडवेज बस को राजधानी को पार करने में ही करीब दो घंटे लग जाते हैं। पीक आवर्स में तो दो से तीन घंटे भी लग जाते हैं। यूईआर-2 से जाने पर समय की बचत होगी और बसें सही गति से भी चल सकेंगी। हरियाणा रोडवेज ने इस रूट से चलाने के लिए नई बसें गुरुग्राम तथा पंचकूला और अन्य डिपो को दी हैं। नई बसों का ट्रायल के रूप में संचालन आरंभ भी कर दिया गया है।

70 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता पर सेवा विस्तार की नीति पर सवाल, हाईकोर्ट ने कहा- औचित्य स्पष्ट करे हरियाणा सरकार

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने 70 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता पर सेवा विस्तार देने की हरियाणा सरकार की नीति पर सवाल उठाए हैं। जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने कहा कि आगे की सुनवाई से पहले अदालत यह समझना चाहती है कि केवल 70 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले या नेत्रहीन कर्मचारियों को ही दो वर्ष की अतिरिक्त सेवा अवधि (रिटायरमेंट आयु में वृद्धि) के लाभ का क्या तर्क या औचित्य है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 का उद्देश्य केवल दिव्यांग व्यक्तियों की सुरक्षा है, इसलिए राज्य की इस नीति को लेकर स्पष्टीकरण आवश्यक है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही, जब तक सरकार का जवाब नहीं आता तब तक अदालत ने आदेश दिया कि 40 प्रतिशत या उससे अधिक बेंचमार्क दिव्यांगता वाले सभी कर्मचारी 60 वर्ष की आयु तक सेवा में बने रहेंगे। जिन मामलों में पीजीआई रोहतक या पीजीआई चंडीगढ़ की रिपोर्ट के आधार पर दिव्यांगता प्रतिशत पर विवाद है, उन्हें फिलहाल इस लाभ का फायदा नहीं मिलेगा। यह आदेश उन कई सरकारी कर्मचारियों की याचिकाओं पर दिया गया है, जो 40 प्रतिशत या उससे अधिक की बेंचमार्क दिव्यांगता से पीड़ित हैं। याचिकाकताओं का कहना है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत ह्लबेंचमार्क दिव्यांगताह्व की परिभाषा 40 प्रतिशत या उससे अधिक है। इसलिए राज्य द्वारा सेवा विस्तार का लाभ केवल 70 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वालों को देना भेदभावपूर्ण है और समानता के अधिकार का उल्लंघन है। वर्तमान में हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम 2016 के अनुसार सामान्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 58 वर्ष है। कुछ श्रेणियों को अपवाद स्वरूप अधिक आयु सीमा दी गई है, जैसे ग्रुप-डी कर्मचारी और न्यायिक अधिकारी 60 वर्ष में, चिकित्सक 65 वर्ष में और 70 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग या नेत्रहीन कर्मचारी 60 वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं। याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि 40 प्रतिशत से 69 प्रतिशत दिव्यांगता वाले कर्मचारियों को इस लाभ से वंचित करना अनुचित है और यह दिव्यांग समुदाय के भीतर भी असमानता पैदा करता है, जबकि कानून का उद्देश्य भेदभाव मिटाना और समान अवसर सुनिश्चित करना है।

फरीदाबाद में सीएनजी गैस रिसाव के चलते कार में आग, डोर जाम होने से टैक्सी ड्राइवर की जलकर मौत‹

फरीदाबाद। बीपीटीपी थाना क्षेत्र के सेक्टर-85 में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की कार में जिंदा जलकर मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण कार से सीएनजी गैस का रिसाव बताया जा रहा है।मृतक की पहचान पुरानी भूपानी निवासी अजय के रूप में हुई है। अजय बुकिंग पर टैक्सी चलाने का काम करता था। रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे वह सेक्टर-85 में बुकिंग की तलाश में आया था। मास्टर रोड के पास उसने अपनी कार खड़ी की और आराम करने लगा।

महिला विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैचों में भारत के हाथ न मिलाने के रुख को जारी रखते हुए, कप्तान हरमनप्रीत कौर और फातिमा सना ने रविवार को कोलंबो में महिला विश्व कप 2025 के अपने मुकाबले में टॉस के समय एक-दूसरे से हाथ न मिलाने का रुख अपनाया। रिपोर्ट में पहले बताया था कि आईसीसी मैच अधिकारी मैदान पर किसी भी अवांछित घटना से बचने के लिए मैच के दिन के प्रोटोकॉल के बारे में दोनों टीमों को पहले से ही अलग-अलग जानकारी देने वाले थे।

यह फैसला दोनों क्रिकेट बोडरं के बीच चल रहे तनाव के बीच आया है, जो पुरुष एशिया कप 2025 के दौरान हुए कई विवादों के बाद सामने आया है। इसकी शुरुआत तब हुई जब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच के बाद मैच के बाद हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने प्रसारणकर्ता के साथ मैच के बाद के साक्षात्कार में हिस्सा नहीं लिया, जिसके बाद पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के साथ उनकी बैठक का फुटेज सार्वजनिक रूप से जारी किया।

पाकिस्तान ने उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, लेकिन इस मामले पर उनकी अचानक हुई बैठक - जिसका एक वीडियो सामने आया - के कारण उन्हें टूर्नामेंट अधिकारियों ने आचरण उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई। पाकिस्तान ने उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट में उनकी निरंतर भागीदारी के लिए पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, जिसके बाद एक अचानक हुई बैठक हुई, जिसके वीडियो के कारण उन्हें टूर्नामेंट अधिकारियों ने आचरण उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई।

अगले सुपर फॉर मैच के दौरान यह मतभेद और गहरा गया जब कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर तीखे इशारे किए। फ़ाइनल में कड़ी टक्कर के बाद, भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से विजेता ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जो वर्तमान में एशियाई क्रिकेट परिषद और पीसीबी दोनों के अध्यक्ष हैं और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं। नकवी ट्रॉफी देने के लिए किसी और को न सौंपने के लिए तैयार नहीं थे, इसलिए भारतीय खिलाड़ियों ने 90 मिनट की लंबी देरी के बाद बिना ट्रॉफी के ही जश्न मनाया।

महिला टीमें हाथ मिलायेंगी या नहीं, यह एक बड़ा मुद्दा था, यहां तक कि क्रिकेट पर भी इसका असर पड़ा, विश्व कप मुकाबले से पहले, जिसके लिए कोलंबो पाकिस्तान का तटस्थ बेस है। भारत इस टूर्नामेंट का निर्धारित मेजबान है, लेकिन दोनों देश एक-दूसरे की धरती पर नहीं खेलते। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने मैच के दिन की अपनी दिनचर्या मैच के निर्धारित समय से लगभग 90 मिनट पहले शुरू की, जब आसमान धूप से बादलों में बदल गया। शनिवार को इसी मैदान पर शाम तक लगातार बारिश के कारण श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच रद्द हो गया था।

भारत ने मैदान के एक तरफ अपना अभ्यास सत्र आयोजित किया, उसके बाद कुछ खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेला, जबकि

अरुंधति रेड्डी और राधा यादव ने अपनी निर्धारित साइड पिच पर थोड़ी देर के लिए गेंदबाजी की। भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने मैच से पहले टीम को संबोधित किया, जिसके बाद उन्होंने और हरमनप्रीत ने सेंटर पिच का निरीक्षण किया।

मैच के दिन के प्रोटोकॉल से पहले शुक्रवार को आर प्रेमदासा मैदान पर भारत के पहले प्रशिक्षण सत्र से पहले पिच को ढक दिया गया था, और अंततः बारिश के कारण वे रविवार तक इसका निरीक्षण नहीं कर पाए। इस बीच, पाकिस्तान की टीम ने अपने डगआउट में अभ्यास करने का फैसला किया, जहां कप्तान सना ने एक संक्षिप्त बैठक में अपने खिलाड़ियों को संबोधित किया।

डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले शीर्ष पांच भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले शीर्ष पांच भारतीय खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।

डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष 5 भारतीय

खिलाड़ियों में रनों के मामले में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नंबर एक पर हैं। वहीं शुभमन गिल 2697 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ऋषभ 2731 और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 2716 रनों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर हैं। वहीं रवींद्र जडेजा विराट कोहली के पीछे पांचवें स्थान पर हैं।

वहीं विकेटों की बात करें तो डब्ल्यूटीसी में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड आर अश्विन के नाम है। उनके नाम 195 विकेट हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह 173 विकेट के साथ ही सूची में दूसरे नंबर पर हैं। इन दोनों के अलावा अभी तक कोई भारतीय डब्ल्यूटीसी में 150 विकेट भी नहीं ले पाया है। रवींद्र जडेजा सूची में 142 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं मोहम्मद सिराज कुल 130 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं। भारतीय टीम से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी 85 विकेट के साथ पांचवें और आखिरी नंबर पर हैं।

एशिया कप 2025 ट्रॉफी चोरी का मामला- लखनऊ के क्रिकेट प्रेमी ने दुबई पुलिस को दर्ज करवाई शिकायत

लखनऊ (एजेंसी)। दुबई में 27 सितंबर 2025 को संपन्न हुए एशिया कप 2025 फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी चोरी के गंभीर मामले पर लखनऊ निवासी एक क्रिकेट प्रेमी संजय शर्मा ने दुबई पुलिस को औपचारिक शिकायत की है। बीते 30 सितम्बर को भेजी गई शिकायत में बताया गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष एवं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को कानूनी तरीके से विजेता भारतीय टीम को सौंपने के बजाय अपने कब्जे में ले लिया।

शिकायत में इस गैरकानूनी कृत्य को क्रिकेट समुदाय के लिए गहरा आघात बताया गया है, जिससे भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में व्यापक रोष व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने दुबई पुलिस विभाग से मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच करने, दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा ट्रॉफी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

इस शिकायत की सूचना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC), भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) और संबंधित अन्य क्रिकेट संस्थाओं को भी दी गई है। दुबई पुलिस ने प्राप्त शिकायत का शीघ्र उत्तर देते हुए 48 कार्यघंटों में वापसी का भरोसा भेजा है। यह मामला न केवल खेल के नैतिक आदर्शों के उल्लंघन का प्रश्न है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट की प्रतिष्ठा और खेलों में पारदर्शिता व जवाबदेही के सिद्धांतों की भी परीक्षा है। भारतीय क्रिकेट समर्थक संजय शर्मा के प्रयास और दुबई पुलिस की इस कार्रवाई से खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही न्याय होगा।

महिला विश्व कप : जीत का खाता खोलने के इरादे से उतरेंगे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका

इंदौर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सोमवार को जब महिला विश्व कप के मैच में आमने-सामने होंगी तो अपने शुरुआती मुकाबलों में मिली करारी हार की निराशा को भुलाकर जीत का खाता खोलने का प्रयास करेंगी। न्यूजीलैंड को जहां अपनी गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होती तो वहीं दक्षिण अफ्रीका की नजरें अपनी बल्लेबाजों की फॉर्म पर होगी।

न्यूजीलैंड को पहले मैच में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 89 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड ने 10 विकेट से रौंद दिया। दोनों ही मुकाबलों में हारने वाली टीम की बल्लेबाजों ने निराश किया। न्यूजीलैंड की गेंदबाजों ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 22वें ओवर में पांच विकेट पर 128 रन करने के बावजूद उसे 326 रन बनाने दिए।

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की और कप्तान सोफी डिवाइन की 112 रन की पारी के बावजूद न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच पाई। न्यूजीलैंड ने आखिरी

पांच विकेट केवल 19 रन पर गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के मामले में यह एकतरफा मुकाबला रहा क्योंकि उनकी टीम 69 रन पर आउट हो गई और उसकी केवल एक खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंच पाई। दक्षिण अफ्रीका को प्रतिस्पर्धी बनने के लिए लॉरा वोलवार्ट, ताजमिन ब्रिट्स, सुने लुस और मारिजैन कैप के बल्ले से बेहतर योगदान की उम्मीद होगी।

विश्व कप से पहले अपने आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान से हार गई थी और सिर्फ 115 रन ही बना पाई थी जो बल्ले से उनकी लगातार नाकामी को दर्शाता है। हालांकि कागजों पर न्यूजीलैंड प्रबल दावेदार है क्योंकि उनके पास गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में बेहतर क्षमता है, विशेषकर स्पिन गेंदबाजी में जहां अमेलिया केर के 10 ओवर निर्णायक साबित होंगे। एक और पहलू यहां की परिस्थितियां हैं जिन्हें न्यूजीलैंड बेहतर समझता है क्योंकि वे इस मैदान पर अपना लगातार दूसरा मैच खेल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका गुवाहाटी से आएगा और उसकी बल्लेबाज एक अच्छी पिच पर बल्लेबाजी करना चाहेंगी जहां गेंद आसानी से बल्ले पर आती हो।

टीमें

न्यूजीलैंड = सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लिमर, लिया ताहुहु।

दक्षिण अफ्रीका = लॉरा वोलवार्ट (कप्तान), ताजमिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसेन, मारिजेन कैप, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायोजन, नादिन डि क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शंगासे और काराबो मेसो।

पेरीकार्ड ने शंघाई मास्टर्स में फिट्ज को हराकर किया उलटफेर

शंघाई। फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरीकार्ड ने चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी टेलर फिट्ज को 6-4, 7-5 से हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। लंबे कद के पेरीकार्ड ने अमेरिका के खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 25 मिनट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरीकार्ड के सामने अंतिम 16 दौर में 10वें वरीय होल्गर रूने की चुनौती होगी। अन्य मैचों में रूने ने 21वें वरीय यूगो हम्बर्ट को 6-4, 6-4 से हराया जबकि जिजोयू बर्न्स ने 19वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 7-6, 6-3 से मात दी। डेविड गोफिन के पहले सेट के दौरान जल्दी रिटायर होने के कारण 31वें वरीय गेब्रियल डियालो को वॉकओवर मिल गया।

विश्वकप 2027 है हमारा लक्ष्य : शुभमन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के नये एकदिवसीय कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा है कि उनका लक्ष्य विश्व कप 2027 है। शुभमन को ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले रोहित शर्मा की जगह पर एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी सौंपी गयी है। जिससे ये युवा बल्लेबाज बेहद उत्साहित है। इससे पहले उन्हें टेस्ट कप्तान बनाया गया था। एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी मिलने के बाद शुभमन ने कहा कि 2027 विश्वकप से पहले टीम को कुल 20 एकदिवसीय मैच खेलने को मिलेंगे। इसमें टीम अपने प्रदर्शन को निखारने पर ध्यान देगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वीडियो में शुभमन ने कहा, 'अपने देश की एकदिवसीय में कप्तानी करना एक बड़ा सम्मान है, जिससे वह गर्व का अनुभव कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगे।' इस बल्लेबाज ने आगे कहा, 'दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप खेलने से पहले हमारे पास करीब 20 एकदिवसीय मैच हैं, जिसमें हमारे पास प्रदर्शन सुधारने का अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि हम जो भी खेलेंगे और जिन खिलाड़ियों के साथ भी खेलेंगे, वे विश्व कप से पहले एक शानदार सत्र खेलने का पूरा प्रयास करेंगे। ऐसे में खिताब के लिए दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले हम पूरी तरह से लय में रहेंगे।' वहीं दूसरी ओर रोहित को अचानक ही कप्तानी से हटाए जाने पर हरभजन सिंह सहित कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने नाराजगी जतायी है। उनका कहना है कि छह महीने पहले ही रोहित की कप्तानी में टीम ने आईसीसी चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। ऐसे में उन्हें कप्तानी से नहीं हटाया जाना चाहिये था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे तक तो कप्तान बनाया जाना चाहिये था।

विदर्भ ने तीसरी बार जीती ईरानी ट्रॉफी, फाइनल में शेष भारत को बड़े अंतर से हराया

नागपुर (एजेंसी)। हर्ष दुबे (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने रविवार को शेष भारत को 93 रनों से हराकर तीसरी बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता। शेष भारत ने कल के दो विकेट पर 30 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में शेष भारत ने अपना तीसरा विकेट कप्तान रजत पाटीदार (10) का विकेट 28 रन जोड़कर गंवा दिया। उन्हें आदित्य ठाकरे ने अपनी ही गेंद पर आउट किया। इसके बाद दर्शन नालकंडे ने ऋतुराज गायकवाड़ (सात) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

यश ढुल ने इशान किशन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में हर्ष दुबे ने इशान किशन (35) को आउटकर शेष भारत की मैच जीतने की उम्मीद को झटका दिया। सारांश जैन और यश ढुल के बीच छठे

विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। पार्थ रेखड़े ने सारांश जैन (29) को पगबाधा आउटकर विदर्भ को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद यश ठाकुर ने यश ढुल को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। यश ढुल ने शेष भारत के लिए सबसे अधिक 92 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 117 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाया।

अंशुल कम्बोज (तीन) और आकाश दीप (शून्य) पर आउट हुये। 74वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हर्ष दुबे ने गुरनूर बरार (सात) को आउटकर 267 के स्कोर पर शेष भारत की दूसरी पारी का अंत करते हुए 93 रनों से मुकाबला जीत लिया। विदर्भ के लिए हर्ष दुबे ने चार विकेट लिये। आदित्य ठाकरे और यश ठाकुर को दो-दो विकेट मिले। पार्थ रेखड़े और दर्शन नलकंडे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले विदर्भ ने पहली पारी में 342 रन तथा दूसरी पारी में 232 रन का स्कोर किया। शेष भारत ने पहली पारी में 214 रन बनाये थे और उसे दूसरी में जीत के लिए 361 रनों का लक्ष्य मिला था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विदर्भ ने वर्ष 2017-18 और 2018-19 में दो बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता है। अभी तक खेले 63 फाइनल मैचों में शेष भारत 31वीं बार उपविजेता रहा है।

सैमसन अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शायद ही नजर आयें

-बोर्ड की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम चयन में एक बार फिर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की उपेक्षा हुई है। सैमसन को इस दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को प्राथमिकता दी है। चयनसमिति ने उन्हें बैकअप विकेटकीपर के तौर पर भी शामिल नहीं किया है। इससे साफ है कि अब सैमसन भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर समाप्त होने की ओर है। चयन समिति के फैसले से सभी को हैरानी इस लिए भी हुई है क्योंकि सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेले गये अपने अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाया था। इसके बाद भी उनके नाम पर विचार नहीं हुआ। वहीं इससे पहले चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन्हें जगह नहीं मिली थी। तब केएल राहुल मुख?य विकेटकीपर जबकि ऋषभ पंत इस टीम में वैकल्पिक विकेटकीपर थे। यही कारण है कि इस आईसीसी इवेंट में सैमसन को जगह नहीं मिली थी। वहीं अभी ऋषभ चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में राहुल के विकल?प के तौर पर सैमसन नहीं बल्कि जुरेल को रखा गया है। अजीत अगरकर के नेतृत?व वाली भारतीय चयनसमिति ने सैमसन की जगह पर जुरेल को रखे जाने पर कहा कि जुरैल मध्य क्रम खेलते हैं जिसमें हमें बल्लेबाज की जरुरत थी जबकि सैमसन शीर्ष क्रम में खेलते हैं जिसमें पहले ही कई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यहा कारण है कि दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जुरैल को अवसर दिया गया हैं। इससे साफ है कि अब सैमसन भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर समाप्त होने की ओर है।

बहन की शादी में भी शामिल नहीं हो पाये अभिषेक

लुधियाना। आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भारत ए टीम की ओर से खेलने के कारण अपनी बहन की शादी में भी शामिल नहीं हो पाये। हाल ही में अभिषेक की बहन कोमल की शादी कारोबारी लोविश ओबरॉय के साथ हुई थी। ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ जारी सीरीज को देखते हुए अभिषेक को कानपुर जाना पड़ा था और इसी कारण वह बहन की शादी में शामिल नहीं हो सके। अभिषेक ने जिस प्रकार देश के लिए इतना बड़ा फैसला लिया। उसके लिए उनकी प्रशंसा भी हो रही है। देश के लिए उनके समर्पण से प्रशंसक बेहद प्रभावित हैं।, जिसके बाद से ही हर तरफ उनकी तारीफ हो रही है। अभिषेक 30 सितंबर को शुगन की रस्म में ही शामिल हुए थे। इस समारोह में अभिषेक के साथ उनके गुरु और पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह सहित कई क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। शगुन समारोह के बाद ही अभिषेक सीधे ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए कानपुर के लिए रवाना हो गए थे।

विराट और रोहित का क्या होगा भविष्य? 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने आईपीएल 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, जिसके चलते फैन्स उनकी मैदान पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे मुकाबला खेलेगा।

रोहित से छीनी गई कप्तानी

बड़ी खबर यह है कि रोहित शर्मा अब वनडे टीम की कप्तानी नहीं करेंगे और इस सीरीज में बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज खेलेंगे। उनकी जगह शुभमन गिल को टेस्ट के बाद वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। फैन्स सवाल उठा रहे हैं कि शानदार कप्तानी रिकॉर्ड के बावजूद रोहित से कप्तानी क्यों छीनी गई, जिन्होंने हाल ही में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को खिताब दिलाया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई और टीम प्रबंधन ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक रणनीति तैयार की है। इस दौरान यह सहमति बनी कि शुभमन गिल को वनडे कप्तान बनाया जाए। इस बदलाव की सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मनाना था, जिनका कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है।

मैदान से दूरी रही रोहित के खिलाफ

बीसीसीआई अधिकारियों का मानना है कि अगला वनडे वर्ल्ड कप दो साल बाद है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके कारण उन्हें पर्याप्त मैच अभ्यास नहीं मिलता। रोहित ने सभी फिटनेस मानक पूरे किए हैं, लेकिन हाल में क्रिकेट से उनकी दूरी उनके खिलाफ गई। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि रोहित का सीमित क्रिकेटिंग एक्शन चयन समिति के फैसले का एक कारण रहा।

रोहित ने आखिरी बार आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जबकि उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था। शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर कप्तानी बदलाव को लेकर मतभेद थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के नजदीक आने पर इस बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई।

विराट कोहली की स्थिति भी समान

रिपोर्ट में बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी है, क्योंकि दोनों खिलाड़ी इस समय केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। रोहित 38 वर्ष के हैं, जबकि विराट 36 साल के हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷अगर हम बदलाव को और टालते हैं, तो यह और जटिल हो जाएगा। दो खिलाड़ियों में से एक 38 और दूसरा 36 साल का है। युवा खिलाड़ियों पर दांव लगाना अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है, क्योंकि वे फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन भविष्य के लिए यह जरूरी है।÷

अगरकर का बयान: 2027 वर्ल्ड कप के लिए कोई गारंटी नहीं

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए प्रतिबद्धता नहीं दिखाई है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई की नीति के अनुसार, टीम में चयन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य होगा। अब यह देखना होगा कि रोहित और विराट विजय हजारे ट्रॉफी जैसे घरेलू वनडे टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं या नहीं। अगर बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव बढ़ाती है, तो दोनों खिलाड़ी निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं।

आकाश चोपड़ा की राय

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था, क्योंकि इससे उन्हें पर्याप्त गेम टाइम मिलता। चोपड़ा ने कहा, 'रोहित और कोहली को अब लगातार रन बनाने होंगे, वरना कोई और उनकी जगह ले सकता है।'

बीसीसीआई की नजर भविष्य पर

बीसीसीआई अब 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द टीम तैयार करना चाहती है। शुभमन गिल की कप्तानी इसी रणनीति का हिस्सा है। रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि अब भविष्य की ओर देखने का समय है। यह बदलाव

प्रशंसकों के लिए भावनात्मक रूप से कठिन हो सकता है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में एक नई शुरुआत का संकेत भी है।

सैयारा के बाद अहान पांडे के हाथ लगी यशराज की फिल्म!

अहान पांडे अपनी पहली ही फिल्म से सुपरस्टार बन गए हैं। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी सैयारा ने उन्हें उस पायदान पर पहुंचा दिया, जिसके लिए तमाम सितारों को कई वर्ष संघर्ष करना पड़ता है। इन दिनों अहान की अगली फिल्मों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अहान ने यशराज फिल्म्स की अगली मूवी साइन कर ली है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर ऐसी पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। दूसरी तरफ हाल ही में अहान को संजय लीला भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया है।
यशराज फिल्म्स के दूसरे प्रोजेक्ट में एंट्री अहान पांडे की अगली फिल्म का दर्शक बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं और उनके आगामी प्रोजेक्ट्स पर अपडेट चाहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अहान पांडे ने सैयारा के बाद ब्लॉकबस्टर की दूसरी फिल्म साइन की है, जो एक्शन रोमांस फिल्म बताई जा रही है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अली अब्बास जफर संभालेंगे। हालांकि, इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। देखना दिलचस्प होगा कि क्या वाकई अहान के हाथ यशराज फिल्म्स की अगली फिल्म लग गई है? या यह महज अफवाह है। इसके अलावा फिल्मी गलियारों में सुगबुगाहट यह भी शुरू हो गई है कि अहान नामी निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं। दरअसल, हाल ही में अहान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अहान के फैंस हुए क्रेजी

अहान पांडे के फैंस क्रेजी हो रहे हैं कि क्या वे भंसाली के साथ फिल्म करने वाले हैं? नेटिजन्स लिख रहे हैं, अहान और भंसाली...अगर वाकई दोनों साथ आते हैं तो कुछ धमाल होगा। एक यूजर ने लिखा, अगर अहान और संजय लीला भंसाली साथ काम करते हैं तो यह एक बड़ी डील होगी।

होमबाउंड फिल्म देखकर अनीत ने साझा की भावनाएं

ईशान-जान्हवी को लेकर कहा

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री अनीत पड्डा ने हाल ही में फिल्म होमबाउंड देखने के बाद अपने भावनाओं को साझा किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव को खुलकर लिखा और बताया कि वो फिल्म देखने के बाद काफी भावुक हो गईं।
अनीत ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरी में लिखा कि फिल्म को निर्देशक नीरज घेवान ने जिस संवेदनशीलता और धैर्य के साथ पेश किया, वो अद्वितीय है। उन्होंने बताया कि निर्देशक ने कहानी को बेहद नाजुक, लेकिन मजबूत तरीके से प्रस्तुत किया। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि जिस तरीके से नीरज ने किरदारों को समझा और उनके भावों को पर्दे पर उतारा, वह फिल्म को देखने के अनुभव को लंबे समय तक जीवंत बनाए रखता है।

कलाकारों की भी तारीफ

फिल्म में ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा नजर आ रहे हैं। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन ना कर पा रही हो, लेकिन अनीत ने स्टारकास्ट के काम की सराहना करते हुए लिखा कि इन कलाकारों ने पूरी ईमानदारी और साहस के साथ निर्देशक की दृष्टि को पर्दे पर उतारा। उन्होंने बताया कि फिल्म के माध्यम से दर्शकों को अपने जीवन के अंशों से जुड़ाव महसूस हुआ और यह अनुभव बहुत ही व्यक्तिगत और संवेदनशील था।

करण जौहर को कहा धन्यवाद

अनीत पड्डा ने निर्माता करण जौहर का भी धन्यवाद किया और कहा कि उनकी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किया, वह काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने कहा, मैं नम आंखों के साथ बाहर निकली, लेकिन काफी हल्कापन महसूस हुआ। इसके लिए धन्यवाद।

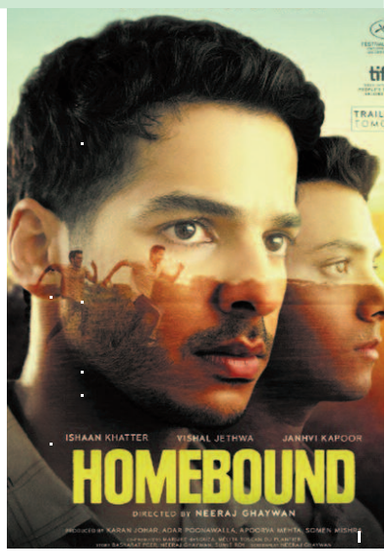

फिल्म की कहानी

होमबाउंड में ईशान का किरदार शोएब और विशाल का किरदार चंदन मापूर की पृष्ठभूमि में अपनी महत्वाकांक्षाओं, सामाजिक पूर्वाग्रहों और दोस्ती की कसौटी पर खड़े उतरते है या नहीं, यही दिखाया गया है। कहानी में दोनों के व्यक्तिगत और पेशेवर संघर्ष दिखाए गए हैं, जो उनके सपनों और रिश्तों को चुनौती देते हैं। चंदन पुलिस की परीक्षा में सफल हो जाता है, जबकि शोएब असफल हो जाता है, जिससे उनकी दोस्ती पर असर पड़ता है।

फिल्म को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन्स के तहत निर्मित किया गया और इसे भारत की आधिकारिक प्रविष्टि 2026 ऑस्कर के लिए चुना गया। इसके अलावा फिल्म ने कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर कर अपनी कला का लोहा मनवाया।

क्या साथ काम करने वाले हैं करण जौहर और मलाइका अरोड़ा?

फिल्म निर्माता-निर्देशक करण जौहर और एक्ट्रेस-मॉडल मलाइका अरोड़ा साथ काम करने वाले हैं। किसी आगामी प्रोजेक्ट में दोनों के बीच साझेदारी हुई है। दरअसल, इस तरह के दावे उस टीजर वीडियो की रिलीज के बाद किए जा रहे हैं, जो आज बुधवार को करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से शेयर किया है। करण जौहर ने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे और मलाइका फोन पर क्रिप्टिक अंदाज में बात कर रहे हैं, जिसमें कचिंग कचिंग की साउंड सुनाई दे रही है। करण जौहर ने बहुत ज्यादा डिटेल तो शेयर नहीं की हैं, मगर आने वाले दिनों में इससे जुड़ी अधिक जानकारी देने की बात करी है।

जल्द बताएंगे क्या है कचिंग?

वीडियो में करण जौहर फोन पर मलाइका से कहते हैं, हे मल्ला...कचिंग कचिंग कचिंग। उधर से मलाइका कहती हैं, कचिंग कचिंग। इसके बाद करण जौहर दर्शकों की तरफ देखते हुए कहते हैं, कचिंग के बारे में जानना चाहते हैं? तो बने रहिए साथ। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, कचिंग! ये साउंड नहीं, टेकओवर है। इसके अलावा लिखा है, बिग आइडिया बिग मनी।

मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी

हाल ही में आईएमडीबी की पिछले 25 वर्षों में भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक चर्चित हस्तियों की सूची जारी हुई थी। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने इसमें टॉप पांच में जगह बनाई थी। दीपिका ने कहा कि उन्हें अक्सर बताया जाता था कि एक महिला के रूप में उन्हें अपने करियर की राह कैसे तय करनी चाहिए, लेकिन वह कभी भी मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से नहीं डरीं। इस सूची में शाहरुख खान पहले स्थान पर रहे, आमिर खान और ऋतिक रोशन दूसरे स्थान पर रहे, और दीपिका पादुकोण तीसरे स्थान पर रहीं। दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मैंने अपना सफर शुरू किया था, तो मुझे अक्सर बताया जाता था कि सफल होने के लिए एक महिला को अपना करियर कैसे तय करना चाहिए या उससे क्या अपेक्षा की जाती है। हालांकि, शुरू से ही मैं सवाल पूछने, लोगों को नाराज करने, मुश्किल रास्ते पर चलने और मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी ताकि हम सभी से जिस ढांचे में ढलने की उम्मीद की जाती है, उसे नया रूप दे सकूं।
इसके साथ ही दीपिका पादुकोण ने फैंस को उनके फैसलों के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद भी कहा। दीपिका ने आगे कहा, मेरे परिवार, प्रशंसकों और सहयोगियों का मुझ पर जो भरोसा रहा, उसने मुझे अपने फैसले लेने और चुनने की हिम्मत दी है। मुझे उम्मीद है कि यह रास्ता आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा बदलाव लाएगा। भारतीय सिनेमा के 25 सालों पर आईएमडीबी की रिपोर्ट इस विश्वास को मजबूत करती है कि ईमानदारी, प्रामाणिकता और लचीलापन महत्वपूर्ण हैं, और अपने मूल सिद्धांतों पर डटे रहकर बदलाव लाना संभव है। बता दें कि हाल ही में दीपिका पादुकोण को फिल्म कल्कि एडी 2898 से बाहर किया गया था। इसके बाद उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट में अपने फैसलों के साथ खड़े होने की बात कही थी। इससे पहले उन्हें संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म से भी हटाया गया था।

द ताज स्टोरी देखे बगैर दर्शक कोई राय न बनाएं

द ताज स्टोरी के नए पोस्टर को लेकर उठे विवाद पर फिल्म के निर्माता और दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया है। परेश रावल के साथ जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास अभिनीत यह फिल्म चर्चा में तब आई, जब हाल ही में जारी पोस्टर में परेश रावल को ताजमहल के गुंबद को हाथों में थामे दिखाया गया, जिसके भीतर शिवलिंग स्थापित था। सोशल मीडिया पर मचे बवाल के बाद मेकर्स ने स्थिति साफ करने का निर्णय लिया।
गौरतलब है कि इससे पहले परेश रावल ने एक पोस्टर साझा किया था और कैप्शन में लिखा था- क्या हो, अगर अब तक आपको सिखाई गई हर बात झूठ हो? सच्चाई सिर्फ छिपी नहीं है, बल्कि उसका फैसला किया जा रहा है। द ताज स्टोरी के साथ 31 अक्टूबर को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में सच को उजागर करें।) स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत द ताज स्टोरी, जिसे तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है, में परेश रावल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

ओटीटी से फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है

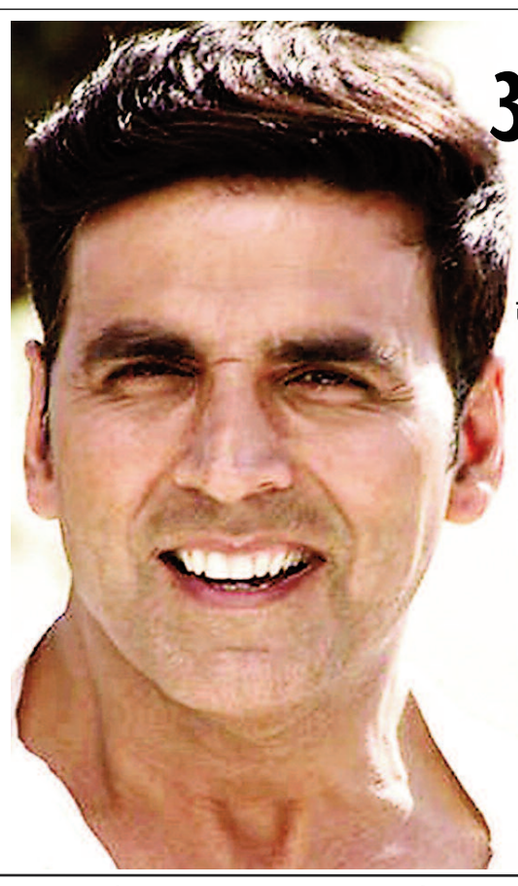

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।
इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।
हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।

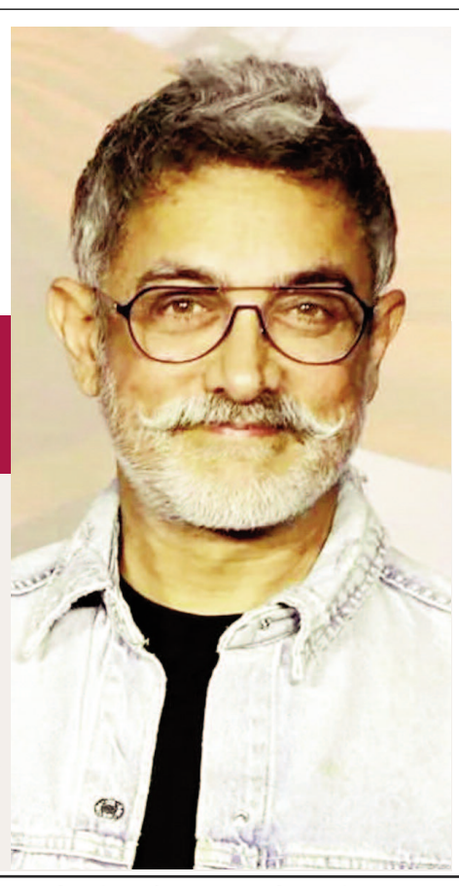

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।